MGML

सृजन

अवलोकन संदर्शिका

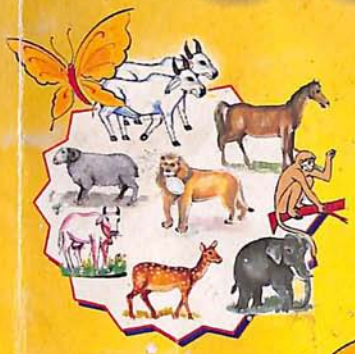

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़

सृजन अवलोकन संदर्शिका

Srujan Avalokan Sandarshika

बहुकक्षा एवं बहुस्तरीय शिक्षण

अवलोकन हस्त–पुस्तिका

वर्ष
2009–2010

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, शंकर नगर,
रायपुर (छ.ग.)

संरक्षण एवं मार्गदर्शन – **नंद कुमार** (आई.ए.एस.) सचिव
छ.ग.शासन, स्कूल शिक्षा विभाग एवं संचालक,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्,
रायपुर (छ.ग.)

सहयोग – एन.पी. कौशिक "संयुक्त संचालक"
एस.सी.ई.आर.टी., रायपुर (छ.ग.)

तकनीकी सहयोग – श्री वेंकटेश मालूर, यूनीसेफ, श्री पद्मनाभ राव,
श्रीमती रमा राव (ऋषी वैल्ली)

समन्वय – श्रीमती अनुपमा नलगुण्डवार, व्याख्याता,
एस.सी.ई.आर.टी.,रायपुर (कार्यक्रम समन्वयक)

समन्वय सहयोग – सुनील मिश्रा (राज्य स्रोत व्यक्ति MGML)
S.C.E.R.T./S.L.M.A., Raipur

लेखन एवं सामग्री निर्माण – तारकेश्वर देवांगन, गंगाधर साहू, पुरूषोत्तम सोनी,
सत्यप्रकाश पंचांगम्, रामेश्वर बेलान्द्रे, उत्तम साहू,
शिवकुमार देवांगन, भुवन लाल साहू, कु. [illegible]गेता
साहू, बेनीराम साहू, विष्णु साहू, श्रीमती हेम चंदेल,
चैतराम सार्वा, रविनारायण त्रिपाठी, लोचन सिंह
नेमसिंह कौशिक, कु. चंचल ठाकुर, श्रवण कुमार,
एम.पी.पाण्डेय, श्रीमती अनुपमा नलगुण्डवार,
सुनील मिश्रा

टंकण एवं ले आउट – कुमार पटेल

प्रथम संस्करण 2009–2010

प्राक्कथन

विगत कई वर्षों से राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा शिक्षा के गुणवत्ता में सुधार हेतु अनेक कार्यक्रम बनाये गये हैं। इसी क्रम में प्राथमिक शिक्षा में एम.जी.एम.एल. बहुकक्षा एवं बहुस्तरीय पद्धति का निर्माण हुआ। इस पैकेज को सृजन नाम दिया गया है। सृजन, आनंददायी शिक्षण विधि है। यह बच्चों को स्तरानुसार गति की स्वतंत्रता के साथ सीखने को प्रोत्साहित करता है। साथ ही प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्ता युक्त शिक्षा की पहुँच को सुनिश्चित करता है।

वर्तमान में राज्य के 40 विकासखंडों की 8000 शालाओं में इसे चलाया जा रहा है। परिषद् द्वारा शिक्षक प्रशिक्षण और सामग्री वितरण का कार्य संपन्न किया गया है। स्कूलों में प्रक्रिया आरंभिक स्थिति में है। अभी हमारी प्राथमिकता, प्रक्रिया में तेजी और निरंतरता लाना है। इसके लिए सतत् अवलोकन और फीडबैक की जरूरत है।

इस हेतु परिषद् द्वारा मॉनीटरिंग कार्य के लिए यह संदर्शिका निर्मित की गई। मॉनीटरिंग का उद्देश्य कक्षा में आने वाली समस्याओं, कमियाँ को पहचानना, विश्लेषण करना और उनका त्वरित निदान करना है। मॉनीटरिंग हेतु मॉनीटरिंग टूल्स भी विकसित किए गए हैं। इसके अंतर्गत चेकलिस्ट, मूल्यांकन पत्रक, विश्लेषण पत्रक एवं बैठकों के प्रारूप बनाए गए हैं। मॉनीटरिंग का कार्य C.A.C., B.R.G. और B.A.C. करेंगे। इनके उचित अवलोकन एवं सकारात्मक दृष्टिकोण से ही शिक्षकों को सशक्त किया जा सकता है।

मॉनीटरिंग के लिए एक सूचना तंत्र भी बनाया गया है जिसमें सूचनाओं का निरंतर प्रवाह स्कूल से राज्य और राज्य से स्कूल तक होता रहेगा। इस हेतु हेल्पलाइन का प्रयोग एवं मासिक पत्रिका का प्रकाशन भी किया जाएगा। समय–समय पर एजूसेट के माध्यम से अवलोकन कर्त्तव्यों की मदद की जाएगी।

मॉनीटरिंग, एम.जी.एम.एल. को मजबूती देने का सबसे सशक्त माध्यम है। (और इससे निश्चित ही प्रक्रिया में तेजी आएगी)। मुझे विश्वास है कि यह संदर्शिका निश्चित रूप से मॉनीटरिंग हेतु एक नई दिशा प्रदान करने में सक्षम होगी।

मॉनीटरिंग के उपकरण बनाने में यूनीसेफ, रायपुर एवं RIVER, ऋषिवेली (आंध्रप्रदेश) के सहयोग के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूँ। मॉनीटरिंग की योजना के निर्माण हेतु संबंधित व्यक्तियों की भूमिका एवं सहयोग निरंतर वांछनीय है। इससे 'सृजन' निश्चित ही अपने उद्देश्यों में सफल होगा, ऐसा मेरा विश्वास है।

आपके सुझावों का सदैव स्वागत रहेगा ....

नंदकुमार (आई.ए.एस.)
संचालक
एस.सी.ई.आर.टी., छत्तीसगढ़, रायपुर

नई दिशा में
नई भोर हो,
जीवन पथ पर
नव संकल्प हो,
हर डगर पर
जीत नई हो,
सफल करें
सपन सृजन,
नए साल की नई किरण।

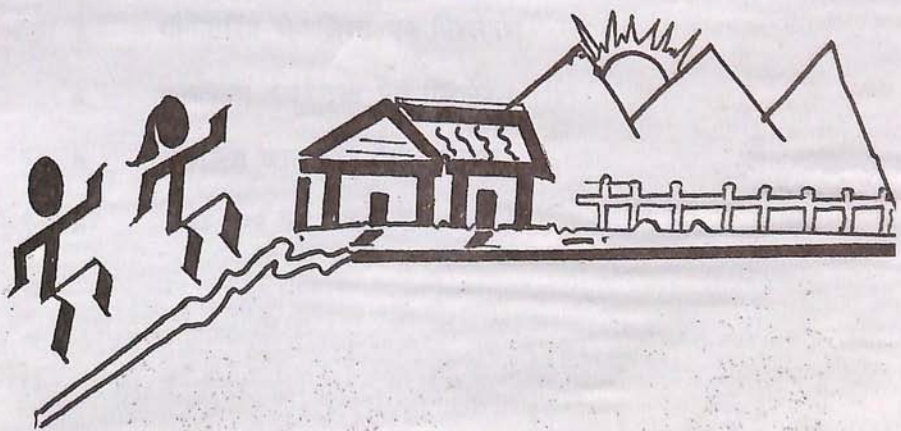

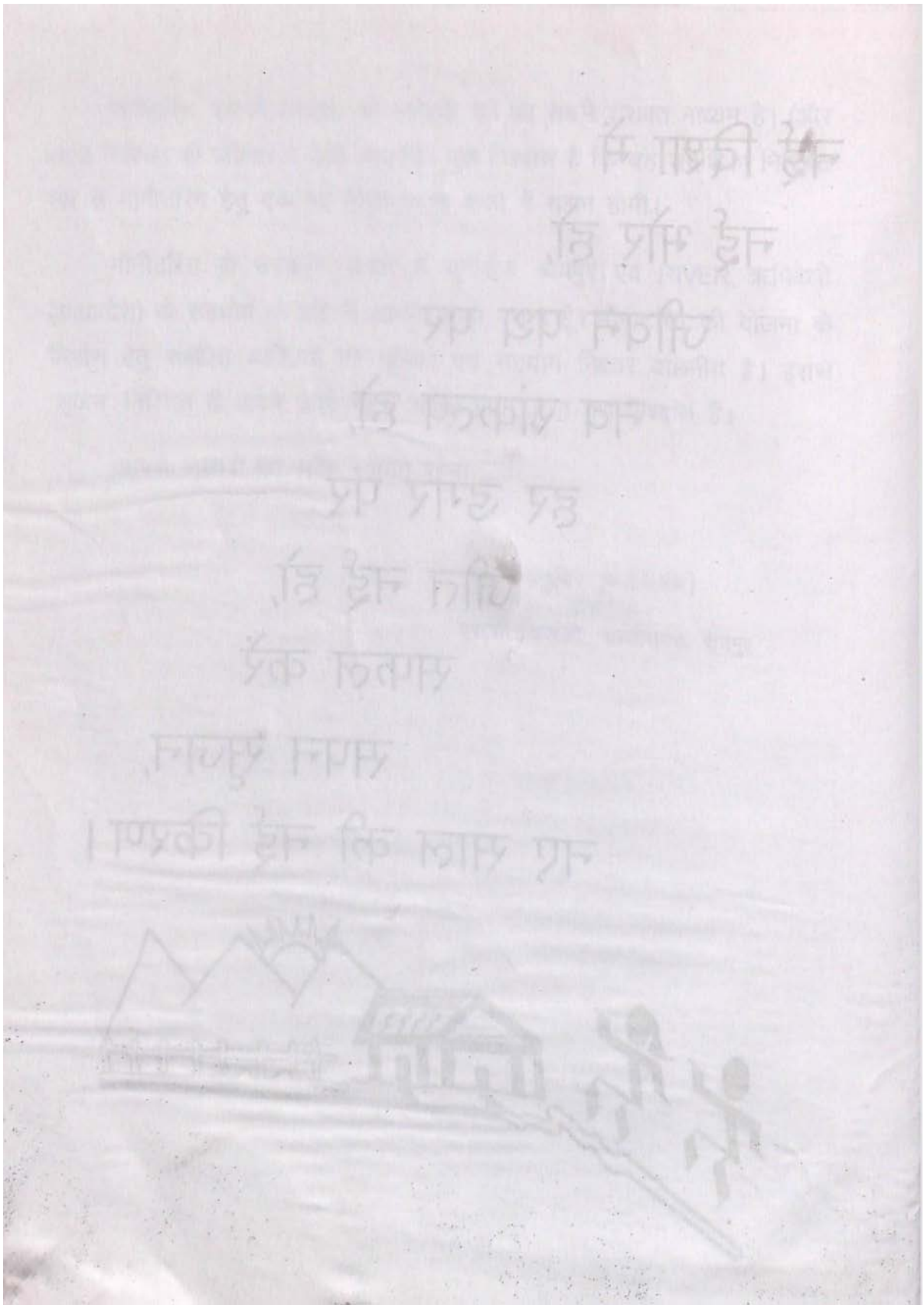

अनुक्रमणिका

अध्याय 1 एम.जी.एम.एल. शिक्षण प्रणाली ...एक परिचय

1. पृष्ठभूमि
2. प्रणाली की आवश्यकता
3. एम.जी.एम.एल. की अवधारणा
4. प्रक्रिया
5. कक्षा की सजावट

अध्याय 2 मॉनीटरिंग – उपकरण (Tools)

1. मॉनीटरिंग क्या है।
2. एम.जी.एम.एल. मॉनीटरिंग क्यों ?
3. सूचना तंत्र
4. समीक्षा बैठक
5. विभिन्न इकाईयों के कर्त्तव्य
6. त्वरित निराकरण हेतु योजना

अध्याय 3 मॉनीटरिंग की रणनीति

1. मॉनीटरिंग कैसे करें
2. प्रपत्रों का विवरण
3. मॉनीटरिंग चेकलिस्ट एवं विश्लेषण
4. मूल्यांकन चेकलिस्ट एवं विश्लेषण
5. संकलित जानकारी तैयार करना
6. राज्य स्तर पर विश्लेषण

– अध्याय–1 –

MGML शिक्षण प्रणाली एक परिचय

1. पृष्ठभूमि :

छत्तीसगढ़ राज्य में प्राथमिक स्तर पर बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार हेतु अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। एम.जी.एम.एल. शिक्षण प्रणाली इन बच्चों की गुणवत्ता में सुधार हेतु अधिक कारगर साबित हुई है। यह विशुद्ध तकनीकी प्रणाली होने के साथ–साथ बच्चों व शिक्षकों के लिए रोचक है।

एम.जी.एम.एल. प्रणाली सत्र 2008–09 में राज्य के 16 जिलों के 40 विकास खंड में लागू किया जा गया है। भविष्य में राज्य के समस्त विद्यालयों में कक्षा 1 से 4 तक इसे लागू करने की योजना है। समस्त सामग्री का विकास हमारे राज्य की आवश्यकता, वातावरण एवं गुणवत्ता स्तर को ध्यान में रखकर किया गया है। इस हेतु 21 शालाओं में प्रयोग कर मूल्यांकन किया गया। जो अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। तत्पश्चात् कार्डों में संशोधन, परिवर्धन कर इसे और अधिक विकसित रुप से तैयार किया गया। शिक्षकों के प्रशिक्षण की योजना बनाई गई। प्रशिक्षण, कक्ष में नहीं बल्कि बच्चों के बीच कक्षाओं में क्रियाकलाप कराते हुए किया गया।

चूँकि एम.जी.एम.एल. प्रणाली वर्तमान शिक्षा प्रणाली से काफी हद तक भिन्न है। अतः इसके उचित संचालन के लिए सघन मॉनिटिरिंग की आवश्यकता है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में हम जानेंगे कि अलग–अलग स्तर पर विषयवार मॉनिटिरिंग किस प्रकार होगी? चेक–लिस्ट क्या होगी? बैठकें कैसे आयोजित होंगी? राज्य स्तर पर विश्लेषण कैसे किया जावेगा?

मॉनिटिरिंग की इस प्रक्रिया को सम्पन्न करने के लिए आवश्यक है कि मॉनिटर एम.जी.एम.एल. प्रणाली से भली भांति परिचित हों। अतः हम सर्वप्रथम एम. जी.एम.एल. प्रणाली पर संक्षिप्त चर्चा करेंगे।

2. एम.जी.एम.एल. की आवश्यकता –

अ. शिक्षण स्वरूप– आमतौर पर देखा गया है कि एक शिक्षक, एक समय में, एक ही विषय वस्तु पर पूरी कक्षा में बातचीत करता है। ऐसी स्थिति में कुछ बच्चे शीघ्रता से आगे बढ़ते हैं लेकिन कुछ बच्चे उस समय सीमा में विषय वस्तु को बिल्कुल भी ग्रहण नहीं कर पाते। शिक्षक के लिए इसका कारण जानना कठिन हो जाता है। साथ ही सभी बच्चों को एक साथ लेकर चलना भी असंभव है।

ब. मूल्यांकन प्रणाली – मूल्यांकन हेतु कोई ऐसी प्रणाली जो बच्चों के हर क्रियाकलाप व गुणवत्ता का उचित मापन करता हो, नहीं है। इसके अभाव में सही –सही मूल्यांकन कर पाना असंभव है। प्रत्येक बच्चे का मूल्यांकन समस्त दक्षताओं के लिए होना चाहिए।

स. शिक्षा को बालकेन्द्रित बनाना – शिक्षा बालकों के सीखने की प्रक्रिया के अनुकूल बालकेन्द्रित आनंददायी होना चाहिए ताकि उन्हें पता भी न चले कि वह खेलते–खेलते शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

एम.जी.एम.एल. की प्रणाली में इन सारी समस्याओं का हल ढूंढने का प्रयास किया गया है।

3. अवधारणा –

प्रत्येक बच्चे की सीखने की गति अलग–अलग होती है। इसके कारण प्रत्येक बच्चे के सीखने में लगने वाला समय भी अलग–अलग होता है। जो बच्चों के अलग–अलग स्तर का निर्धारण करता है। एम.जी.एम.एल. प्रणाली में बच्चों के सीखने की गति का सम्मान किया जाता है। साथ ही बच्चे के सीखने में समय सीमा समय को समाप्त किया जाता है। अतः बच्चे अपने गति के अनुसार सीखते हुए स्वतंत्रता पूर्वक आगे बढ़ते हैं।

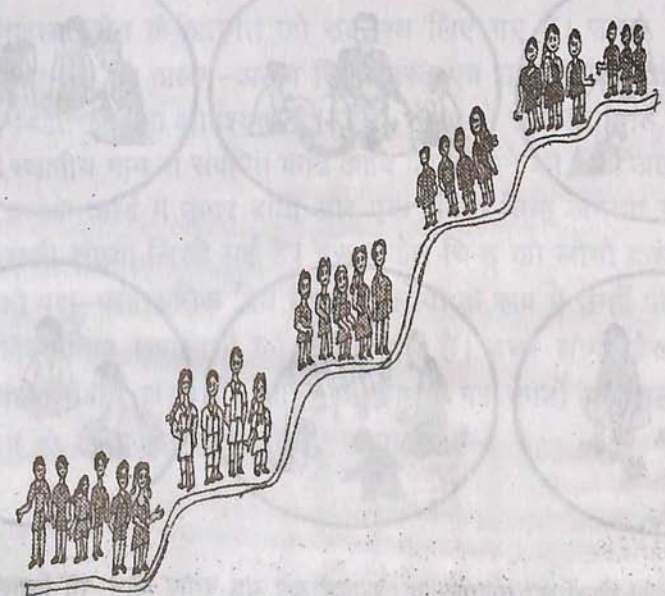

उदाहरण– जिस तरह ऊँची पहाड़ी पर चढ़ने हेतु सभी लोग एक साथ निचली सीढ़ी से चढ़ना प्रारंभ करते हैं। ऊपर चढ़ते हुए अपनी–अपनी क्षमता के अनुसार आगे–पीछे हो जाते हैं। तेज चलने वाले जल्दी मंजिल पर पहुँचते हैं। धीमी गति से चलने वाले देरी से पहुँचते हैं यहाँ उल्लेखनीय बात यह है कि सभी के सभी एक न एक दिन मंजिल को प्राप्तकर ही लेते हैं। एम.जी.एम.एल. को परिभाषा के रूप में इस प्रकार उल्लेखित किया जा सकता है–

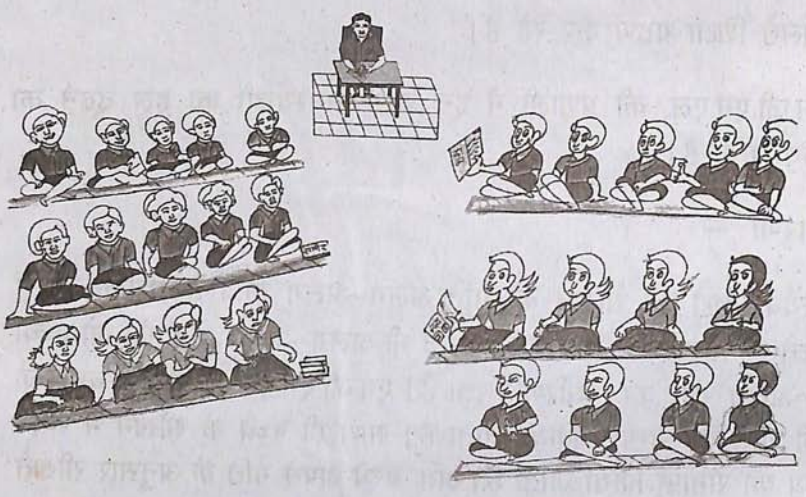

उपरोक्त दोनों चित्रों का तुलनात्मक अध्ययन कर यह बताए कौन–सी प्रणाली बच्चे की रूचि आनंददायी एवं बालकेन्द्रियता के आधार पर अनुकूल है।

परिभाषा : एक शिक्षक एक ही समय में अलग–अलग श्रेणी व अलग–अलग स्तर, विभिन्न गति से सीखने वाले, विभिन्न तरीकों से सीखने वाले, अलग–अलग क्षमताओं एवं रूचियों से सीखने वाले बच्चों का शिक्षण बालकेन्द्रित ढंग से करता है। तब वहाँ एम.जी.एम.एल. (बहुकक्षा एवं बहुस्तरीय शिक्षण) व्यवस्था होगी।

4 एम.जी.एम.एल. की प्रक्रिया :

एम.जी.एम.एल. की प्रक्रिया को समझाने के लिए इनके मूल तत्वों को समझना आवश्यक है–

1. माइल स्टोन– दक्षताएँ– जिन्हें बच्चों में स्थापित करना है, उन्हें सीखने के उद्देश्य कहा गया है। इन्हें बच्चों के सीखने के क्रम के आधार पर छोटे–छोटे टुकड़ों में बांटा गया है। जिससे अध्ययन में क्रमबद्धता रहेगी। अतः **माइल स्टोन** सीखने के उद्देश्यों को मनोवैज्ञानिक तरीके से बच्चों में क्रमबद्ध रूप से व्यवस्थित करने की कड़ी (श्रृंखला) है।

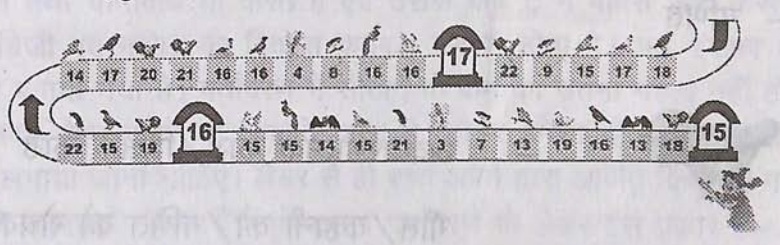

2. लोगो– माइल स्टोन के अंतर्गत जो उद्देश्य लिए गए हैं। उनके आधार पर कार्ड तैयार किए गए हैं। अलग–अलग विषय वस्तु एवं उद्देश्यों को लेकर बनने वाले कार्डों में अंतर करना आवश्यक है। जैसे– गुणा से संबंधित कार्ड, जोड़ने से संबंधित कार्ड,स्थानीय मान से संबंधित कार्ड आदि की सीखने की विधि अलग–अलग हैं। इस हेतु प्रत्येक कार्ड में ऊपर बांयी ओर एक संकेत चिन्ह् लगाया गया है एवं दायी ओर उसकी संख्या लिखी गई है। इस संकेत चिन्ह् को **लोगो** कहा गया है। चूंकि बच्चों को पशु–पक्षी अधिक प्रिय हैं। अतः लोगो के रूप में उन्हीं पशु–पक्षियों, फलों एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को लिया गया है। बच्चे लोगो देखकर कार्ड उठाते हैं एवं गतिविधि करते हैं। लोगो के आधार पर कार्डों को अलग–अलग रखना आसान हो जाता है। कुछ लोगो इस प्रकार हैं–

भाषा –

1. – कठिन शब्द कार्ड/व्यवहारिक व्याकरण

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

2. – कविता सुनाना

3. – कहानी सुनाना

4. – रेलगाड़ी

5. – अभ्यास कार्ड।

विषय – गणित

1. – अवधारणात्मक कार्ड/शिक्षक कार्ड

गीत/कहानी को/गणित को रोचक बनाने के लिए

2. – गणितीय खेल – (बाहर का खेल)

(1) कूदने का
(2) बोलो जी बोलो कितने
(3) मैं हूं कौन
(4) दो समूहों का खेल

3. – गणितीय खेल –

(1) सांप सीढ़ी
(2) रेलगाड़ी

(3) रास्ता ढूंढो

(4) पासे का खेल

4. – मोटा–पतला, छोटा–बड़ा, कम–ज्यादा, लम्बा–ऊंचा, तुलना करना, अंतर निकालना

5. – जोड़ना से संबंधित अभ्यास

3. लेडर(सीढ़ी) – माइल स्टोन में लोगो लगे हुए कार्ड तैयार होने के बाद इन सामग्रियों को संचालित करने हेतु एक नियंत्रक की आवश्यकता होती है। अतः इसे सीढ़ी के रूप में क्रमशः जमाया जाता है। बच्चे इसके आधार पर ही कार्डों को निकालते तथा गतिविधि या करते हैं एवं उसके बाद ट्रे में वापस जमा करते हैं। भाषा, अंग्रेजी एवं गणित का विकास क्रमबद्ध ढंग से होता है। अतः इसका लेडर सर्पाकार बनाया गया है। पर्यावरण में सीखने के क्रम का उतना महत्व नहीं होता। अतः इसका लेडर फूलों की आकृति वाला है। लेडर हमेशा दीवार पर बच्चों की पहुँच में लगाया जाना चाहिए। लेडर से ही बच्चे अपने द्वारा अर्जित किए गए माइल स्टोन की जानकारी रखते हैं। गणित एवं पर्यावरण के लेडर इस प्रकार हैं–

चिन्तन .....

- उचित खाद, पानी, मिट्टी के साथ बीज बो देना अलग बात है। उसकी बढ़ोत्तरी एवं कमियों की पूर्ति हेतु सतत् प्रयास करते रहना दूसरी बात है।
- किसी भी प्रणाली को सामान्य से श्रेष्ठता तक पहुँचाने में मॉनीटरिंग की विशेष भूमिका होती है।

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

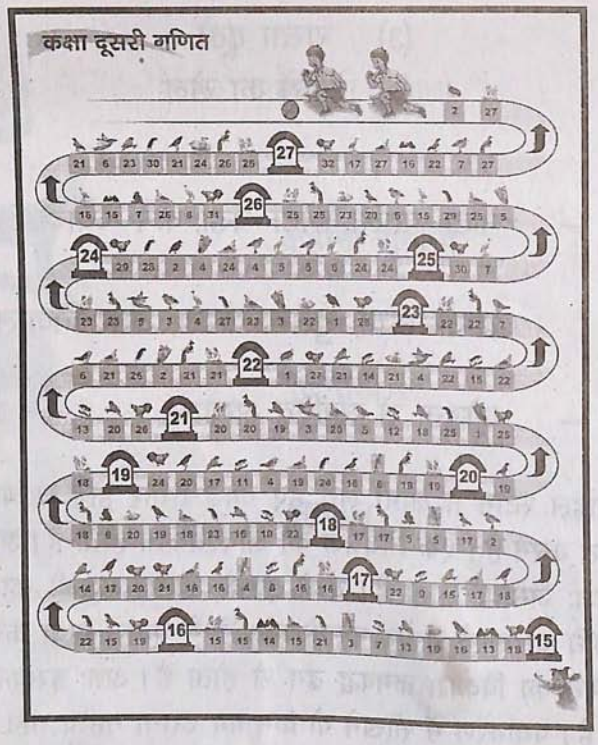
कक्षा दूसरी गणित

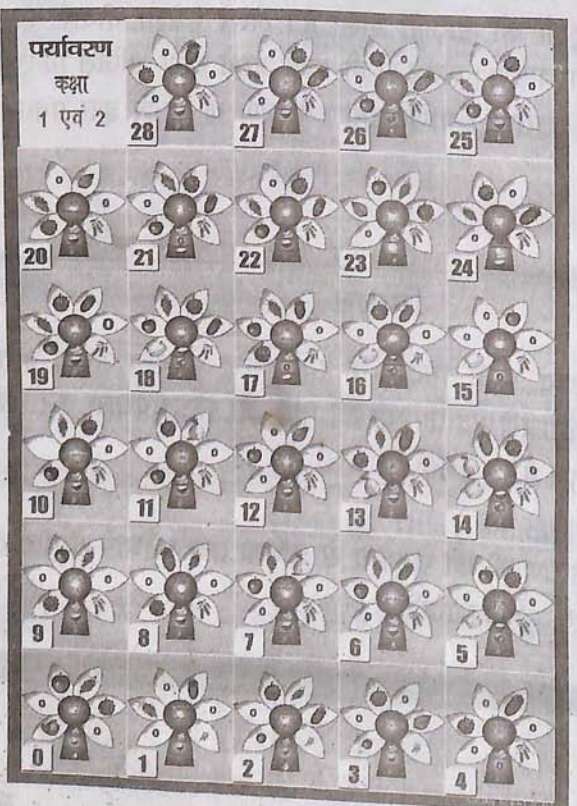
पर्यावरण
कक्षा
1 एवं 2
28
27
26
25
20
21
22
23
24
19
18
17
16
15
10
11
12
13
14
9
8
7
6
5
0
1
2
3
4

4. समूह– एम.जी.एम.एल. प्रणाली का केन्द्र बिन्दु समूह शिक्षण है। पूरी कक्षा को कुल 6 समूहों में गतिविधि के लिए बैठाया जाता है। सीखने की गति के आधार पर बच्चों का समूह परिवर्तित होते रहता है। इन समूहों में अलग–अलग लोगो के कार्ड पर अलग–अलग गतिविधि होती है।

शिक्षक समर्थित समूह

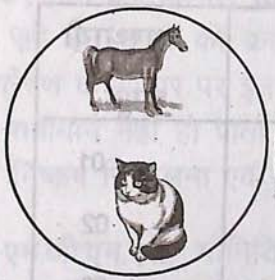

आंशिक शिक्षक समर्थित समूह

साथी समर्थित समूह

आंशिक साथी समर्थित समूह

स्वअधिगम समूह

मूल्यांकन समूह

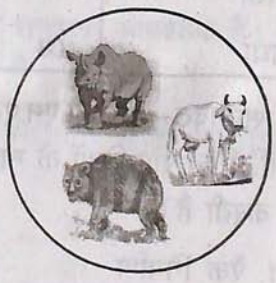

5. किट– किट से तात्पर्य उन समस्त सामग्रियों से है, जिनका प्रयोग एम.जी.एम.एल. के अंतर्गत किया गया है जैसे– विभिन्न विषयों के कार्ड, समूह थाली, लेडर, मूल्यांकन शीट, तार की जॉली, ट्रे, रैक अन्य शिक्षण सामग्री आदि।

समूह निर्माण की प्रक्रिया – एम.जी.एम.एल. शिक्षण विधि में समूह निर्माण की प्रक्रिया महत्वपूर्ण है। बच्चों को लेडर, लोगो, समूह से परिचय कराया जाता है। शिक्षक निजी डायरी में बच्चों की प्रगति का विवरण रखते हैं। मूल्यांकन शीट कक्ष में बच्चों की पहुँच में लगाया जाता है।

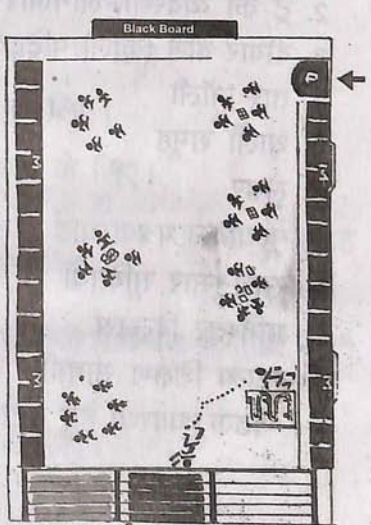

सम्पूर्ण कक्ष का चित्र

सर्व प्रथम प्रत्येक बच्चों का अनुमानित माइल स्टोन निर्धारित किया जाता है। वास्तविक माइल स्टोन के लिए मूल्यांकन के द्वारा बच्चे का स्तर ज्ञात किया जाता है। बच्चे अगली गतिविधि इसी माइल स्टोन से प्रारंभ करता है। गतिविधि सम्पन्न करने के पश्चात् वह लेडर में निर्धारित लोगो के आधार पर अगले समूह में सम्मिलित होता है–

समूह निर्माण

क्र.	छात्र का नाम	अनुमानित माइल स्टोन	निश्चयात्मक माइल स्टोन	अस्थायी समूह
1.	मोहन	06	06	01
2.	रवि	01	02	02
3.	राहुल	17	16	03
4.	गीता	18	22	03
5.	राधा	08	07	01

5. कक्षा सजावट– एम.जी.एम.एल. कक्षा में निम्नानुसार कक्षा सजावट आवश्यक है। निम्नलिखित सामग्रियों के माध्यम से एम.जी.एम.एल. कक्ष अन्य कक्ष से भिन्नता प्रदर्शित करती है।

1. रैक निर्माण
2. ट्रे की व्यवस्था–लोगोवार
3. दीवार बोर्ड (काली पट्टिका)
4. तार जॉली
5. थाली समूह
6. लेडर
7. मूल्यांकन पत्रक चार्ट
8. स्तरानुसार सूक्तियाँ
9. भूमिस्तर बिल्लस
10. अन्य शिक्षण सामग्री– कंकड़, तीली, मुखौटा
11. बैठक व्यवस्था हेतु चटाई

• • •

– अध्याय–2 –

मॉनीटरिंग टूल्स

1. मॉनिटिरिंग की अवधारणा – मॉनिटिरिंग से तात्पर्य कक्षा अवलोकन से है। कक्षा में जो हो रहा है उसे वैसा ही देखना, पहचानना, विवरण व विश्लेषण प्रस्तुत करना आदि मॉनिटिरिंग के तत्व हैं। मॉनिटिरिंग निरीक्षण नहीं है बल्कि यह एक फीडबैक लेने की प्रक्रिया है। साथ ही मॉनिटिरिंग सुधारात्मक दृष्टिकोण से होना चाहिए। जो प्रक्रिया चल रही है उसमें किन बिन्दुओं पर शिक्षकों, बच्चों को समस्या आ रही है। बच्चों को कहाँ सफलता नहीं मिल रही है। उन्हें चिन्हांकित कर विश्लेषण के आधार पर इन समस्याओं का समाधान देना चाहिए। जिन समस्याओं का समाधान नहीं हो पाता उन्हें उच्च स्तर पर अग्रेषित करना चाहिए। विश्लेषण कर निष्कर्ष निकालना एवं समाधान प्रस्तुत करना आदि मॉनीटरिंग के अंग हैं।

2. एम.जी.एम.एल. मॉनिटिरिंग क्यों– एम.जी.एम.एल. की प्रक्रिया को सतत जारी रखने एवं गति प्रदान करने के लिए व मार्ग दर्शन के लिए मॉनिटिरिंग आवश्यक है। चूँकि यह नई प्रणाली है प्रत्येक चरण में छोटी–छोटी शिक्षण तकनीकों का उपयोग किया गया है। जिसे भली भांति समझना आवश्यक है। एम. जी.एम.एल. मॉनिटिरिंग निम्न तत्वों के लिए आवश्यक है–

1. एम.जी.एम.एल. नई प्रणाली है इसलिए शिक्षकों को निरंतर मदद की आवश्यकता है।
2. प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए।
3. प्रक्रिया में आने वाली कमियों, समस्याओं को ढूँढ़ने के लिए।
4. प्रक्रिया में आने वाले कमियों का विश्लेषण करने के लिए।
5. कमियों का विश्लेषण के आधार पर निदान के लिए।
6. बच्चों/शाला की गुणवत्ता स्तर में सुधार करने के लिए।
7. शाला, संकुल, विकास खंड, जिला एवं राज्य के मध्य सूचना के प्रवाह आदन–प्रदान के लिए।
8. शाला, संकुल विकास खंड, जिला व राज्य के मध्य समन्वय स्थापित करने के लिए।
9. कमियों का प्रत्येक स्तर पर समाधान करने के लिए।

10. विशेष कमियों को उच्च स्तर तक पहुँचाने एवं समाधान कर शाला तक पहुँचाने के लिए।

11. शिक्षकों की समझ विकसित करने के लिए।

12. राज्य स्तर पर विश्लेषण कर कमियों की पूर्ति के लिए।

3. सूचना तंत्र – शाला से मात्र कमियों का चिन्हांकन नहीं किया जाना चाहिए। बल्कि कमियों एवं उपलब्धियों का विश्लेषण कर इसे शाला से संकुल, संकुल से विकास खंड, बिकास खंड से जिला, जिला से राज्य तक पहुँचना आवश्यक है। लेकिन यह सम्पूर्ण मॉनीटरिंग नहीं होगा। बल्कि उन कमियों का निराकरण कर वापस राज्स से शाला तक पहुँचना चाहिए, ऐसा नहीं होने पर प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण हो जाती है।

हमारा लक्ष्य है बालक का विकास, बालक के मस्तिष्क में आनंददायी ढंग से उद्देश्यों को स्थापित करना है। इस हेतु इनकी भूमिका को भली भांति समझना आवश्यक है। आइये निम्नलिखित चित्र का अध्ययन करें–

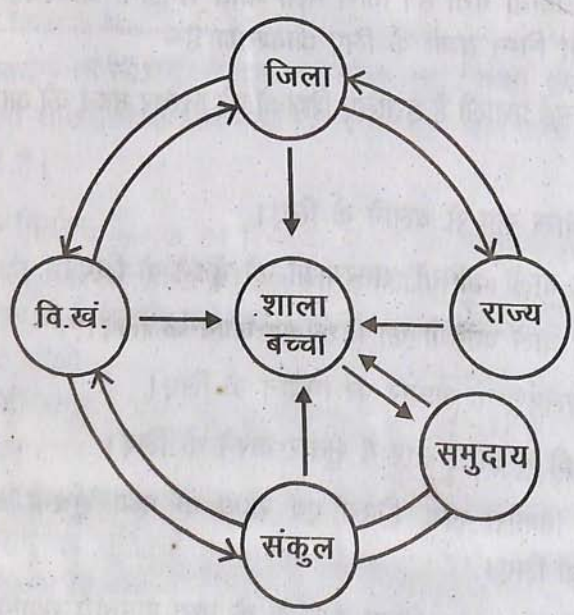

उपरोक्त चित्र से स्पष्ट है कि बालक की मॉनिटिरिंग हेतु सूचनाओं का बालक से राज्य तक पहुँचना व वापस राज्य से बालक तक पहुँचना है लेकिन प्रत्येक इकाई से सीधे बालक के साथ सूचना का अदान–प्रदान हो सकता है। यहाँ अपनी–अपनी भूमिका का निर्धारण करना होगा।

4. समीक्षा बैठक: मॉनीटरिंग के साथ–साथ बैठकों का आयोजन महत्वपूर्ण होता है। विभिन्न स्तर पर एम.जी.एम.एल. की बैठक आयोजित कर मॉनीटरिंग में किए गए विश्लेषण का प्रस्तुतीकरण कर अगले इकाई की कार्ययोजना का निर्धारण किया जाना चाहिए। निम्नलिखित चार्ट से विभिन्न इकाईयों की बैठकों की स्थिति स्पष्ट होती है।

क्र.	स्तर	भाग लेने वाले इकाई	समय दिवस	एजेंडा	कार्ययोजना
1.	शाला स्तर	जनभागीदारी समिति, समस्त शिक्षक		बच्चों,शिक्षक की कठिनाईयाँ जनभागदारी से सहयोग	जनभागीदारी से कठिनाईयों का निराकरण कैसे होगा।
2.	संकुल	MGMLशिक्षक / सी.ए.सी. / सी.आर.सी.		मॉनीटरिंग का विश्लेषण शिक्षकों की उपलब्धि कमियों पर चर्चा।	संकुलवार
3.	वि.ख.	C.A.C., C.R.C., B.R.C.			
4.	जिला	B.A.C.,B.R.C., D.P.C.			

5. विभिन्न इकाईयों के कर्त्तव्य

1. सी.ए.सी. / बी.आर.जी.

अ. प्रत्येक सी.ए.सी. अपने स्कूलों की सतत् मॉनीटिरिंग करेंगे। मॉनीटिरिंग के द्वारा वे शाला की उपलब्धियों एवं कमियों का चिह्नांकित करेंगे। कमियों का विश्लेषण कर उनका उपचार करेंगे।

ब. यदि किसी कमी का निदान उनके पास नहीं है अथवा किसी विद्यालय की विशेष उपलब्धि है, तो इनकी सूचनाएँ विकास खंड को प्रेषित करेंगे।

स. विकास खंड से प्राप्त हल या सूचनाओं को स्कूल तक पहुँचना है।

2. बी.ई.ओ., बी.आर.सी.–

अ. प्रत्येक संकुल से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर उपलब्धियों एवं कमियों को चिह्नांकित करेंगे। कमियों का विश्लेषण कर उसका उचित निदान करेंगे।

ब. किसी विद्यालय / संकुल की विशेष उपलब्धि है या कोई कमी है, जिनका निदान वे नहीं कर पाए हैं तो इन सूचनाओं को जिलों को प्रेषित करेंगे।

स. जिलों से प्राप्त सूचनाओं को संकुलों तक प्रेषित करेंगे।

द. स्कूलों में जाकर मॉनीटरिंग करेंगे।

3. डी.पी.सी., डी.ई.ओ. –

अ. विकास खंड से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर शाला की उपलब्धियों एवं कमियों को चिह्नांकित करेंगे।

ब. किसी विद्यालय/ विकास खंड की विशेष उपलब्धि है या कोई कमी है जिसका निदान जिले में नहीं हो पा रहा है, उसे राज्य को प्रेषित करेंगे।

स. राज्य से प्राप्त सूचनाओं को विकास खंड को प्रेषित करेंगे।

द. स्कूल की मॉनीटरिंग करेंगे।

4. एस.सी.ई.आर.टी. –

अ. समस्त जिलों से प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण करेंगे। जिला– विकास खंड–संकुल–स्कूल की उपलब्धियों के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जायेगा। साथ ही उनकी कमियों का त्वरित निदान कर उन्हें भेजा जाएगा।

ब. राज्य में प्रसारित सभी सूचनाओं को जिलों में प्रसारित किया जाएगा।

स. सीधे ही स्कूलों की मॉनीटरिंग कर सकते हैं।

6. त्वरित निराकरण हेतु योजना

आवश्यक सूचना शीघ्र पहुँचाने एवं मॉनीटिरिंग हेतु कुछ टूल्स बनाए गए हैं–

1. एजूसेट– इसके मांध्यम से राज्य सीधे ही शाला स्तर पर बातचीत करेंगे। शाला की सूचनाओं से संबंधित सीधे ही प्रश्नोत्तर करेंगे।

2. राज्य में ऑन लाइन सेवा उपलब्ध कराया जाने का प्रस्ताव है। जिसके माध्यम से शिक्षक द्वारा सीधे ही प्रश्न राज्य स्तर पर किया जायेगा। इस तरह प्रश्नों का संकलन कर सही निराकरण किया जायेगा।

3. पत्रिका का प्रकाशन – एम.जी.एम.एल. से संबंधित समस्त क्रियाकलापों उपलब्धियों, कमियों आदि का उल्लेख करने हेतु राज्य स्तर पर पत्रिका का प्रकाशन किया जाना प्रस्तावित है। जिसके माध्यम से अपनी बात एक दूसरे तक पहुँचाया जा सकेगा।

4. नवाचार – नवाचार के माध्यम से शिक्षक एम. की प्रणाली को और अधिक गुणवत्त युक्त बनाए जा सकते है।

– अध्याय–3 –

मॉनिटिरिंग की रणनीति

1. मॉनीटरिंग कैसे करें–

अवलोकनकर्ता सर्व प्रथम एम.जी.एम.एल. प्रणाली को भलीभांति समझ लें। चूंकि यह प्रणाली नवीन है। अतः प्रारंभिक चरणों में प्रक्रिया की शुरूआत से संबंधित मॉनीटरिंग पर ध्यान देंगे। इसके अंतर्गत कक्षा सजावट से लेकर समूह निर्माण की प्रक्रिया पर बारीकि से ध्यान दिया जायेगा। जिसे कक्षा में अनिवार्यतः लागू करने के लिए सघन मॉनीटरिंग अनिवार्य है। अतः इस चेकलिस्ट के माध्यम से प्रथम तीन माह इन्हीं प्रक्रिया पर मॉनीटरिंग होगी जिसके कक्षा की सजावट से लेकर ग्रुप निर्माण की प्रक्रिया तक बारीकी से ध्यान देना होगा –

जैसे –

- बच्चे किसी लोगो के गतिविधि को अपने समूह में बैठकर स्वतंत्रता पूर्वक, खुशनुमा माहौल में कार्य करते हैं। बच्चे शिक्षक के साथ सहज प्रश्न कर पाता है। कार्ड स्वयं रख व निकाल पाता है आदि।
- कक्षा का नियमित (मासिक) मॉनीटरिंग चेकलिस्ट एम.जी.एम.एल. प्रक्रिया पर कक्षा में संचालित गति विधि का मॉनीटरिंग किया जाना है। इसके अंतर्गत बच्चे अपने स्तर अनुसार अपने सीखने की गति के अनुसार सीखते है। इसके लिए निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार मॉनीटरिंग होगा। इसमें मॉनीटरिंगकर्ता समूह में बैठे बच्चों का लोगो के अनुसार पूर्व की गतिविधि का आकंलन करेगा जिससे बच्चे की समझ, स्तर व गति व उपलब्धि के साथ–साथ कमियाँ भी चिन्हांकित होगा। विश्लेषण के आधार पर कमियों का शिक्षकों के साथ चर्चा व प्रदर्शन के साथ कक्षा में ही निदान करना होगा।
- मूल्यांकनकर्ता एम.जी.एम.एल. कक्ष में लगे मूल्यांकन पत्रक से 2 बच्चे शीघ्र सीखने वाले 2 सामान्य स्तर के तथा 2 बच्चे धीमे गति से सीखने वाले बच्चों का चयन करेंगे। उन बच्चों का अलग समूह बनाकर समस्त दक्षताओं को चेकलिस्ट के अनुसार मूल्यांकन लेंगे। मूल्यांकन करते समय जिस माइल स्टोन , लोगो में गतिविधि कर रहा है उसके पिछले माइल स्टोन, लोगो का मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन सम्पन्न करने के पश्चात् विश्लेषण किया जाएगा। इसके आधार पर बच्चे व शाला पर टिप्पणी लिखी जाएगी तथा सूचना शालावार संकुल का, संकुलवार विकास खण्ड का विकासखण्ड वार जिले का जिले वार राज्यपर संकलन पश्चात् विश्लेषण होगा तथा विश्लेषण निष्कर्ष के आधार पर कार्य योजना तैयार किया जावेगा।

2. प्रपत्रों का विवरण

प्रपत्र –1 समान्य प्रक्रिया

A समान्य प्रक्रिया चेकलिस्ट B समान्य प्रक्रिया विश्लेषण पत्रक

प्रपत्र –2

A भाषा का चेकलिस्ट

B भाषा का विश्लेषण पत्रक

प्रपत्र – 3

A गणित का चेकलिस्ट

B गणित का विश्लेषण पत्रक

प्रपत्र –4

A अंग्रेंजी का चेकलिस्ट

B अंग्रेजी का विश्लेषण पत्रक

प्रपत्र –5

A पर्यावरण का चेकलिस्ट

B पर्यावरण का विश्लेषण पत्रक

प्रपत्र –6

A त्रैमासिक मूल्यांकन कक्षा – 1ली सम्पूर्ण विषय

B. त्रैमासिक मूल्यांकन कक्षा – 2री सम्पूर्ण विषय

प्रपत्र–7

A अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन कक्षा – 1ली सम्पूर्ण विषय

B अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन कक्षा – 2री सम्पूर्ण विषय

प्रपत्र–8

A वार्षिक मूल्यांकन कक्षा – 1ली सम्पूर्ण विषय

B वार्षिक मूल्यांकन कक्षा – 2री सम्पूर्ण विषय

प्रपत्र–9

C.A.C. द्वारा संकलित जानकारी

प्रपत्र–10

विकास खंड द्वारा संकलित जानकारी

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

प्रपत्र–11

जिला द्वारा संकलित जानकारी

प्रपत्र–12

मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक

3.चेकलिस्ट– (1से 5)

प्रपत्र 1 (A) सामान्य प्रक्रिया के लिए है।

प्रपत्र 2 (A) भाषा विषय के लिए है।

प्रपत्र 3 (A) गणित विषय के लिए है।

प्रपत्र 4 (A) अंग्रेजी विषय के लिए है।

प्रपत्र 5 (A) पर्यावरण के लिए है।

उपयोग विधि –

अ. सर्वप्रथम मॉनीटिरिंग कक्ष में जाकर मित्रतापूर्ण वातावरण बनाएंगे। उसके बाद चेकलिस्ट में दी गई दक्षताओं के अनुसार प्रत्येक समूह का अवलोकन करेंगे। अवलोकन अनुसार ही चेकलिस्ट में अपना अभिमत प्रकट करेंगे।

3. इसे भरने का तरीका इस प्रकार होगा –

- बिल्ली लोगो के अंतर्गत 6 बच्चे हैं। इनमें से 4 बच्चे कविता को हावभाव से सुना पा रहे हैं। तो आपका चिह्न () हाँ में लगेगा।
- यदि 6 में से 2 ही बच्चे कविता में आए रंगीन शब्दों को बता रहे हैं। तो आपका चिह्न () नहीं में लगेगा।
- इसके अलावा भी मॉनीटिरिंग अपने विवेक से चेकलिस्ट को भर सकते हैं।

4. मॉनीटरिंग कक्षा में जिस विषय पर कार्य हो रहा है उसी विषय का अवलोकन करेंगे। यह भी जरूरी नहीं है कि एक ही समय में चेकलिस्ट के पूरे कॉलमों को भरा जाए। मॉनीटिरिंग अपनी सुविधानुसार किंतु सही–सही अवलोकन प्रपत्र को भरेंगे।

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

'अवलोकन प्रपत्र'

विषय– हिन्दी　　2A　　कक्षा – (1+2)

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	?	
1.	बिल्ली	1. बच्चे पढ़ी हुई कविता को हाव–भाव सहित सुना पाते हैं। 2. कविता में आये विशेष रंगों वाले शब्दों को पहचान पाते हैं।				
2.	घोड़ा	1. सुनी हुई कहानी को अपने शब्दों में बोल पाते हैं। 2. कहानी में आए विशेष रंगों वाले शब्दों को पहचान पाते हैं।				
3.	हिरण	1. माइल स्टोन मे आये वर्णों/मात्राओं को सम्मिलित कर नए शब्द बना पाते हैं।				
4.	शेर	1. आदेश व निर्देश का पालन करते समय आदरसूचक शब्दों जैसे– आप, श्रीमान्, कृपया आदि शब्दों का मौखिक एवं लिखित रूप प्रयोग कर पा रहे हैं।				
5.	गिलहरी	1. पासा खेल के माध्यम से वर्ण संबंधित माइल स्टोन के वर्णों एवं मात्राओं को पहचान पाते हैं।				
6.	बंदर	1. दैनिक जीवन के क्रियाकलापों को अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत कर पा रहा हैं। वर्ण कर पाता है।				
7.	कुत्ता	1. चर्चा कार्ड्स के माध्यम से अपने आस–पास के पशु, पक्षी, पेड़–पौधे, बाजार, मेला, त्यौहार, तथा विभिन्न				

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
		चित्रों को देखकर उसके बारे में अपना विचार व्यक्त कर पा रहे हैं।				
8.	भेड़	1. रेलगाड़ी कार्ड के माध्यम से चित्र से चित्र, वर्ण से वर्ण, शब्द से शब्द और शब्द से चित्र आदि को पहचान कर सकते हैं।				
9.	बकरी	1. वर्ण पहेली के माध्यम से वर्णों एवं मात्राओं को जोड़कर नए शब्द बना लेते हैं।				
10.	ऊँट	1. कक्षा के अंदर एवं बाहर के खेल को समझते हैं एवं भाग लेते हैं।				
11.	चूहा	1. शब्दों के वर्णों को अलग–अलग पहचानना। चित्रों और शब्दों के मध्य संबंध स्थापित करना व शब्द के प्रथम वर्ण को पहचानना।				
12.	कछुआ	1. खिड़की कार्ड का उपयोग करके वर्णों को मात्राओं के साथ पढ़ व लिख सकता हैं।				
13.	लोमड़ी	1. परिवेशीय वस्तुओं पशु–पक्षियों आदि का चित्र स्क्रैप बुक में चिपकाकर संकलन कर रहा हैं।				
14.	हाथी	1. पढ़े हुए वर्ण, शब्द एवं वाक्य को लिखना, ऊँगली फिराना, बिन्दु मिलाना या चित्र बना लेते हैं।				

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
15.	बैलजोड़ी	1. किए हुए गतिविधियों से जोड़ी मिलाना। 2. खाली स्थान भरना। 3. प्रश्नों के उत्तर, मौखिक एवं लिखित रूप से दे सकते हैं।				
16.	पुस्तक पढ़ता बंदर	1. रीडर्स की कहानी को अपने शब्दों में व्यक्त कर देता हैं। 2. रीडर्स से पढ़ सकते है।				
17.	गाय	1. बच्चा अपना मूल्यांकन स्वयं कर पा रहा हैं।				
18.	भालू	1. मूल्यांकन कार्ड पूर्ण न कर सकने वाले बच्चों के लिए शिक्षक द्वारा उपचारात्मक गतिविधि अपनाई जा रही है।				

प्रधान पाठक के हस्ताक्षर
दिनांक .....

मॉनीटरिंगकर्ता के हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था / विभाग.....

विश्लेषण पत्रक 2 B
विषय – हिन्दी

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ / नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
1.	बिल्ली	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	कविता की भाव स्पष्ट ने करते हुए उचित लय के साथ नहीं सुनायी गयी।	कविता का भाव स्पष्ट करते हुए रोचक ढंग से उचित लय के साथ सुनाएं।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	विशेष रंगों वाले शब्दों के चित्र दिखाकर शब्दों पर विशेष जोर नहीं दिया गया हैं।	विशेष रंगों वाले शब्दों को चित्र दिखाते हुए पहचान कराएं।
2.	घोड़ा	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	बच्चों की सहभागिता के बिना कहानी सुनाई गई।	कहानी सुनाते समय बच्चों की सहभागिता का ध्यान रखते हुए, सहायक सामग्री जैसे– मुखौटा आदि का उपयोग करें तथा आवश्यकतानुसार क्षेत्रीय भाषा का भी प्रयोग करें। तथा बीच–बीच में प्रश्न करते रहें।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	विशेष रंगों वाले शब्दों के चित्र दिखाकर शब्दों पर विशेष जोर नहीं दिया गया है।	चित्र दिखाते हुए रंगीन शब्दों पर जोर देते हुए पहचान कराया जाए।
3.	हिरण	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	वर्णों एवं मात्राओं की समझ का अभाव।	वर्णों की समझ के लिए चूहा, कछुआ, भेड़ कार्ड का पर्याप्त अभ्यास करायें।
4.	शेर	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	कुछ ही आदेश/निर्देशों तक सीमित हैं।	शेर कार्ड में दिए गए आदेश/निर्देश के अतिरिक्त बच्चों के स्तर के अनुरूप अन्य गतिविधि कराएं।

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ/नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखे यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
5.	गिलहरी	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	वर्णों एवं मात्राओं की पहचान में कमी।	पासा खेल के अतिरिक्त चूहा कार्ड एवं कछुआ कार्ड की गतिविधि भी कराएं।
6.	बंदर	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	अभिनय का अवसर न मिलना। वर्णन न कर पाना।	बंदर कार्ड के माध्यमसे अभिनय एवं वर्णन करने का अवसर प्रदान किया जावे।
7.	कुत्ता	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	चर्चा कार्ड के माध्यम से बच्चों को विचार अभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त नहीं हुआ।	आसपास के परिवेश का प्रत्यक्ष अवलोकन कराकर तथा चर्चा कार्ड के माध्यम से अपना विचार व्यक्त करने का अवसर दें।
8.	भेड़	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	चूहा, हिरण एवं गिलहरी लोगो पर गतिविधि प्रभावी एंग से नहीं हुई है।	एक ही जैसे वस्तुओं, चित्रों, वर्णों, शब्दों की पहचान कराकर सभी को एक समूह में रखकर एक ही जैसे वस्तुओं या वर्ण को निकालने को कहें।
9.	बकरी	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	शब्दों को मिलाकर नये शब्द ढूँढ नहीं पा रहे हैं।	आड़ा–खड़ा व तिरछा जोड़ जोड़कर पढ़ते जाये और सार्थक शब्द बनाते ज़ायें।
10.	ऊँट	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	खेल के नियम बच्चों को स्पष्ट नहीं हैं।	कार्ड में लिखे नियमों को पुनः बताया जावे व खेल का अभ्यास कराएं।
11.	चूहा	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	शब्दों के वर्णों को अलग–अलग न पहचानना, चित्रों और शब्दों के मध्य संबंध स्थापित न कर पाना व शब्द के प्रथम वर्ण को पहचानने में कमी है।	चित्र व अक्षरों से भलीभांति परिचित कराएं।

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ/नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
12.	कछुआ	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	मात्राओं का पूर्ण ज्ञान न होना।	खिड़की कार्ड पर वर्ण लगाकर स्पष्ट उच्चारण के साथ पढ़ावें। पॉकेट बोर्ड का उपयोग करें।
13.	लोमड़ी	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	स्पष्ट निर्देश नहीं दिया गया है।	स्क्रैप बुक का उपयोग शिक्षक स्वयं करके दिखाएँ एवं बच्चों को प्रेरित करें।
14.	हाथी	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	लेखन कौशल का पर्याप्त अभ्यास नहीं हुआ है।	रबर कार्ड, रेत, जमीन, हवा में ऊँगली फिराना व स्वतंत्र रूप से चित्र बनाने व भूमि स्तर श्यामपट्ट पर लेखन क्रिया का पर्याप्त अभ्यास कराएं।
15.	बैलजोड़ी	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	समानता व असमानता की पहचान नहीं है।	बहुत सी ऐसी वस्तुओं व चित्रों को एकत्रित करें जिसमें प्रत्येक 2 वस्तुओं या चित्रों में समानता का संबंध हो, ऐसी वस्तुओं, चित्रों को छाँटकर अलग करने को कहें व उसे जोड़ी के रूप में स्पष्ट करें।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	उचित शब्द चयन करने का ज्ञान नहीं है।	वाक्य को पूरा पढ़ावें व उसमें से कुछ शब्द को हटाकर वाक्य बनाना व छूटे हुए अक्षरों की पहचान कराएँ।
		03	हाँ	.....	.....
			नहीं	वाक्य/अनुच्छेद की समझ का अभाव है।	वाक्य एवं अनुच्छेद की समझ के लिए गद्यांश से संबंधित चित्रों का प्रयोग करें।
16.	पुस्तक पढ़ता बंदर	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	बच्चे पुस्तक नहीं पढ़ पाते हैं।	वाक्य का संबंध चित्रों से जोड़कर बताएं ताकि बच्चों को पुस्तक पढ़ने में मजा आये।

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ/नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखे यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
17.	गाय	01	हाँ	.....	
			नहीं	संबंधित माइल स्टोन की गतिविधि अपूर्ण है।	..... उपचारात्मक गतिविधि करावें।
18.	भालू	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	कार्डो में दी गई उपचारात्मक गतिविधि बच्चों के लिए उपयुक्त नहीं है।	बच्चों की आवश्यकतानुसार गतिविधि तैयार करें एवं सी.ए.सी., बी.ए.सी. से मार्गदर्शन लें।

विशेष :

- सीखने–सीखाने में मुख्य कठिनाई के क्षेत्र :–
  1. .....
  2. .....
- उल्लेखित उपलब्धि (नवाचार) के क्षेत्र
  1. .....
  2. .....

प्रधान अध्यापक का
नाम एवं हस्ताक्षर

विश्लेषणकर्ता के हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था/विभाग .....

विषय – हिन्दी 6A

कक्षा–1

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन– 1,2,3)

वर्ण : (र, क, ल, ह, आ, ा, न, ज, स, त, ए, े, म, प, ग, य, इ, ई, ि, ी)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	सरल परिचित कविता / कहानी को सुनकर समझना। (लगभग 3 कविता, 3 कहानी)	बिल्ली / घोड़ा		
2.	कविता को सामूहिक रूप से दोहराना।	घोड़ा		
3.	हाँ, नहीं वाले प्रश्नों के उत्तर देना।	घोड़ा		
4.	सरल एवं मौखिक निर्देशों का पालन। (लगभग 5 निर्देश)	शेर		
5.	स्वतंत्र रूप से पढ़े हुए अक्षर को जोड़कर पढ़ना।	हिरण		
6.	पढ़े हुए शब्दों को जोड़कर सरल वाक्य के रूप में पढ़ना।	हिरण		
7.	पहचाने हुए वर्णों को वर्ण से मिलाना।	कुत्ता		
8.	परिवेशीय वस्तुओं के बारे में बोलकर अभिव्यक्त करना।	चूहा		
9.	दिए हुए वर्णों से प्रारंभ होने वाली वस्तुओं के चित्रों को पहचानना।	कछुआ		
10.	पहचाने हुए परिवेशीय चित्रों के शब्दों को पढ़ना।	कछुआ		
11.	पढ़े हुए शब्दों के अक्षर को स्वतंत्र रूप से पढ़ना।	हाथी		
12.	पढ़े हुए 6–8 वर्णों एवं तीन मात्रों को पहचानना।	पु.पढ़ता बंदर		
13.	चित्रों के बिन्दुओं को मिलाना।	पु.पढ़ता बंदर		
14.	पढ़े हुए अक्षर पर ऊँगली चलाना।	पु.पढ़ता बंदर		
15.	शब्दावली नियंत्रण। (लगभग– 200 शब्द)			

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

विषय – हिन्दी 6 B

कक्षा–1

अवलोकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन– 4,5,6)

वर्ण : (द, च, ब, ख, अ, ऐ, ै, भ, ट, ध, व, उ, ऊ, ु ू थ, ठ, फ, झ, छ, ओ, औ, ो, ौ मात्रा)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	प्रचलित कविता / कहानी का हाव–भाव सहित सुनना व सुनाना।	बिल्ली / घोड़ा		
2.	परिचित परिस्थितियों में हुए वार्तालाप / संवाद को सुनकर समझना।	घोड़ा		
3.	कब, क्यों, कहाँ के प्रश्नों के उत्तर देना।	घोड़ा		
4.	सरल एवं मौखिक निर्देशों को समझकर पालन करना व आदर सूचक शब्दों का प्रयोग कर पाना।	शेर		
5.	पढ़ चुके अक्षरों / मात्राओं को भिन्न परिस्थिति में व स्वतंत्र रूप से पढ़ना व उपयोग करना।	हिरण		
6.	पढ़ चुके अक्षरों व मात्राओं को जोड़कर भिन्न परिस्थिति में पढ़ना।	हिरण		
7.	पढ़ चुके शब्दों को नये शब्द बनाना।	हिरण		
8.	पढ़ चुके शब्दों को सरल वाक्य के रूप में पढ़ना।	कुत्ता		
9.	पहचाने हुए चित्रों के शब्दों को पढ़ना।	चूहा		
10.	पहचाने हुए शब्दों के अक्षर व मात्राओं को पहचानना।	कछुआ		
11.	लिख चुके वर्णों / मात्राओं से शब्द बनाना।	कछुआ		
12.	स्वतंत्र चित्र बनाना।	हाथी		
13.	पढ़कर शब्द भण्डार अर्जित करना।पढ़ता बंदर	पु.पढ़ता बंदर		
14.	सरल व छोटे वाक्यों का प्रयोग करना।	पु.पढ़ता बंदर		
15.	शब्दावली नियंत्रण। (लगभग–500 शब्द)			

विषय – हिन्दी 7 B

कक्षा–1

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन– 7,8,9,10)

वर्ण : (ध, ड, ढ, ण, श, अं, ँ, त्र, ज्ञ, ड़, अः, ः, ष, ऋ, श्र, ङ, ढ़, संयुक्ताक्षर)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	कविता / कहानी को सुनकर समझना एवं सुनाना व अपने शब्दों में व्यक्त करना।	बिल्ली		
2.	कब, क्यों, कहाँ, कौन का प्रयोग करते हुए प्रश्न पूछना।	घोड़ा		
3.	अपने से बड़े के लिए आदर सूचक शब्दों का प्रयोग करना।	शेर		
4.	पढ़े हुए अक्षरों से नये शब्द बनाना व शब्द भण्डार अर्जित करना।	हिरण		
5.	परिचित परिस्थिति में दिए गए आदेशों को समझ कर पालन करना।	शेर		
6.	पढ़े हुए शब्दों को पहचानना व पढ़ना।	कुत्ता		
7.	पढ़े हुए शब्दों को सरल वाक्यों के रूप में पढ़ना।	कुत्ता		
8.	वर्णमाला के देवनागरी लिपि को पढ़ना	गिलहरी		
9.	दिए गए चित्रों को पहचानना।	चूहा		
10.	पहचाने चित्रों के शब्दों को पढ़ना।	चूहा		
11.	पढ़ चुके अक्षरों व मात्राओं को पढ़ना व भिन्न परिस्थिति में उपयोग करना।	कछुआ		
12.	परिचित परिस्थिति में हुए संवादों को सुनकर समझना।	पु.पढ़ता बंदर		
13.	दिए गए चित्रों से संबंधित शब्दों एवे वाक्यों को बोलना	पु.पढ़ता बंदर		
14.	छपे हुए छोटे व सरल अंशों को पढ़ना।	पु.पढ़ता बंदर		
15.	पढ़ चुके अक्षर व मात्राओं को लिख सकना।	हाथी		
16.	लिख चुके वर्णों से शब्द लिख पाना।	हाथी		
17.	पढ़ चुके अक्षर का बिन्दु मिलान करना।	हाथी		
18.	लिख चुके वर्णों या शब्दों को सुनकर लिख लेना।	हाथी		
19.	पढ़े वर्णों व मात्राओं को लिखना व लिख चुक वर्णों से शब्द व सरल वाक्य लिख सकना।			

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

विषय – हिन्दी

कक्षा–2

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन– 11,12,13,14)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	सरल अपरिचित कविता / कहानी सुनकर समझना। (लगभग एक कविता, एक कहानी)	बिल्ली / घोड़ा		
2.	कविता को सामूहिक रूप से सुनकर दोहराना।	बिल्ली		
3.	हाँ / नहीं वाले प्रश्नों के उत्तर देना।	घोड़ा		
4.	स्वजातीय व विजातीय अर्द्धाक्षर को पहचानना व लिखना।	हाथी		
5.	कविता कहानी को देखकर लिख सकना।	हाथी		
6.	कहानी / कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ को समझ पाना।	बकरी		
7.	सरल कविता को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ना।	हिरण		
8.	व्यावहारिक व्याकरण की जानकारी जैसे– लिंग, सर्वनाम, उपसर्ग आदि।	कुत्ता		
9.	कविता / कहानी में आए पात्रों का सरल रोचक अभिनय कर सकना।	बंदर		
10.	बोली अथवा लिखी हुई संक्षिप्त सामग्री के घटनाक्रम को क्रमिक ढंग से पुनः स्मरण करना।	बंदर		
11.	खेल या सरल व्यायाम से संबंधित निर्देश का पालन कर सकना।	ऊँट		
12.	‘ ’ को शब्दों के साथ उपयोग कर पढ़ना।	बैलजोड़ी		
13.	पढ़कर समझने का लगभग ..... शब्दों का शब्द भंडार अर्जित करना।	पुपढ़ता बंदर		

विषय – हिन्दी

कक्षा–2

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन– 15,16,17)

क्र.	गतिविधि/दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	सरल अपरिचित कविता/कहानी को सुनकर समझना।	बिल्ली/घोड़ा		
2.	कविता को सामूहिक रूप से सुनकर दोहराना।	बिल्ली		
3.	हाँ/नहीं वाले प्रश्नों के उत्तर देना।	बिल्ली/घोड़ा		
4.	परिचित परिस्थितियों या सुने हुए घटनाक्रम को समझकर क्यों, कैसे शब्दों का प्रयोग करते हुए प्रश्न पूछना।	बंदर		
5.	वार्तालाप में आए कुछ नए शब्दों का अर्थ जानना।	हिरण		
6.	सरल वाक्यों का श्रुत लेखन करना।	हाथी		
7.	कविता/कहानी के कठिन शब्दों को छांटकर लिख पाना।	हाथी		
8.	सरल आदेश निर्देश का पालन करना।	शेर		
9.	अर्धाक्षर ..... से बने शब्दों एवं वाक्यों को पढ़ सकना।	बैलजोड़ी		
10.	तीनों कालों का प्रयोग वाक्यों में करके पढ़ व लिख पाना।	कुत्ता		
11.	का,के,की, का प्रयोग करके शब्द बनाना व पढ़ना।	कुत्ता		
12.	प्रत्यय लगाकर सरल शब्द बना सकना।	कुत्ता		
13.	पढ़कर समझे शब्दों का शब्द भंडार अर्जित करना।	पु.पढ़ता बंदर		
14.	परिवेशीय चित्रों का संकलन करके नाम बताता है।	लोमड़ी		

विषय – हिन्दी

कक्षा–2

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन– 18,19,20,21)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	सुने हुए कविता को हावभाव सहित दोहराना।	बिल्ली / घोड़ा		
2.	सुनी हुई कहानी को अपने शब्दों में व्यक्त करना।	बंदर		
3.	चित्र कार्ड को देखकर अपना विचार व्यक्त करना।	पु.पढ़ता बंदर		
4.	'स', 'श' एवं 'ष' की ध्वनियों के अंतर को समझना व शुद्ध उच्चारण करना।	हाथी		
5.	निर्देशानुसार सरल वर्णात्मक वाक्य लिख सकना।	बकरी		
6.	कब, क्यों, कैसे का उत्तर पूरे वाक्यों में बोल जाना।	कुत्ता		
7.	पढ़े हुए सामान्य, व्याकरण से संबंधित शब्द बनाकर पढ़ना। जैसे– उपसर्ग, प्रत्यय, लिंग, काल, वचन आदि।	शेर		
8.	अनुरोधपूर्वक अपनी बात किसी को कह सकना। जैसे– आइये, बैठिये, चलिए आदि।	बैलजोड़ी		
9.	समान अंतिम ध्वनि वाले शब्द बना सकना।	बैलजोड़ी		
10.	संयुक्त अक्षर वाले शब्द जैसे– कक्षा, आशा आदि को समझना।	भेड़		
11.	शब्दों को मिलाकर वाक्य बना सकना। (रेलगाड़ी कार्ड के माध्यम से)	ऊँट		
12.	कक्षा के बाहर खेल में सहभागिता देना।	गाय		
13.	संबंधित माइल स्टोन का स्वयं मूल्यांकन कर सकना।			

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

'अवलोकन प्रपत्र'

विषय– गणित

कक्षा – (1+2)

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
1.	कौआ	1. क्या बच्चे कक्षा के बाहर विषय से संबंधित खेल को समूह में या अकेले खेल पा रहे हैं–				
2.	बतख	1. क्या बच्चे कक्षा के अंदर का खेल जैसे– सांपसीढ़ी, रेलगाड़ी, रास्ता ढूंढों, पासे का खेल, खेल पा रहे हैं।				
3.	बगुला	1. क्या बच्चे दो वस्तुओं की तुलना कर अंतर समानता को समझ पा रहे हैं।				
4.	तोता	1. क्या बच्चे जोड़ना से संबंधित सवाल हल कर पा रहे हैं।				
5.	चील	1. क्या बच्चे घटाना से संबंधित सवाल हल कर पा रहे हैं।				
6.	उल्लू	1. क्या बच्चा मापन से संबंधित प्रश्न हल कर पा रहे है।				
7.	सारस	1. क्या बच्चा ज्यामितीय आकृतियों को बना पाता है।				
8.	कठफोड़्वा	1. क्या बच्चा गुणा से संबंधित सवाल हल पा रहा हैं।				
9.	बया	1. क्या बच्चे भाग से संबंधित सवाल हल कर पा रहे हैं।				
10.	चमगादड़	1. क्या बच्चे घटते व बढ़ते क्रम, पहले बीच व बाद की संख्या की पहचान कर पा रहे हैं।				
11.	उड़ती चिड़िया	1. क्या बच्चे मुद्रा की पहचान कर मुद्रा से संबंधित सवाल हल कर पा रहे है।				
12.	गोरैया	1. क्या बच्चे समय, दिन, सप्ताह,माह, वर्ष को समझकर इनसे संबंधित संवाल हल पा रहे है।				

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
13.	मैना	1. क्या बच्चों में लेखन क्षमता का विकास हो पा रहा है।				
14.	किंग फिशर	1. क्या बच्चे संख्याओं को गिनना, समूह बनाना, बोलना व पहाड़ा बनाना सीख पा रहे है।				
15.	कबूतर	1. क्या बच्चे अंकों की पहचान कर बोल पा रहे है।				
16.	नीलकंठ	1. क्या बच्चे सम, विषम व स्थानीयमान, बंडल, इकाई, दहाई, सैकड़ा को पहचान कर प्रश्न हल कर पा रहे हैं।				
17.	मोर	1. क्या बच्चे अपना मूल्यांकन स्वयं कर पा रहे है।				

प्रधान पाठक का हस्ताक्षर
दिनांक .....

मॉनीटरिंगकर्ता का हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था / विभाग.....

'विश्लेषण प्रपत्र'

विषय– गणित

कक्षा – (1+2)

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ/नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
1.	कौआ	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	शिक्षक द्वारा खेल के नियम के ठीक से निर्देश नहीं दिए है।	खेल के नियम कार्डों सृजन में से पढ़कर बच्चों को नियम बताएं।
2.	बतख	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	खेल का नियम बच्चों को नहीं बताया गया है।	सृजन/कार्डों में से खेल के नियम पढ़कर नियम बतायें।
3.	बगुला	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	ठोस वस्तुओं के माध्यम से तुलना का अभाव।	ठोस वस्तुओं को बच्चों से गिलानकर, तुलना कर स्पष्ट करें।
4.	तोता	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	बच्चों को जोड़ की अवधारणा स्पष्ट नहीं है।	अवधारणा देते समय ठोस वस्तु के माध्यम से जोड़ना बतायें।
5.	चील	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	बच्चे ठोस वस्तुओं से घटाने की क्रिया स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं।	अवधारणा देते समय ठोस वस्तु के माध्यम से घटाना सीखाएं।
6.	उल्लू	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	बच्चे मापन की क्रिया को नहीं कर पा रहे हैं।	सहायक सामग्री जैस लिटर, मीटर, किलोग्राम की सहायता से प्रत्यक्ष मापन कराएं।
7.	सारस	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	परिवेशीय ज्यामितीय आकृति वाली वस्तुओं से परिचय प्रदर्शन का अभाव।	परिवेशीय वस्तुओं एवं सहायक सामग्री के माध्यम से गतिविधि करावें। जैसे– सिक्का, चूड़ी।
8.	कठफोड़वा	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	बार–बार जोड़ने की क्रिया से गुणा को स्पष्ट नहीं समझ पा रहे है।	ठोस वस्तुओं से बार–बार जोड़ने की क्रिया कराकर गुणा करने की समझ बनावें।

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ/नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखे यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
9.	बया	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	बार–बार घटाने की क्रिया से भाग कीं क्रिया को स्पष्ट नहीं पा रहे है।	ठोस वस्तुओं के माध्यम से बार–बार घटाने की क्रिया कराकर भाग की क्रिया को समझायें।
10.	चमगादड़	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	अंकों में छोटे बड़े के ज्ञान का अभाव।	दिए गए ठोस वस्तुओं को जोड़कर व एक घटाकर कम,अधिक का ज्ञान करायें।
11.	उड़ती चिड़िया	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	बच्चे रुपये पैसे से परिचित नहीं है।	बच्चे को मुद्रा/रुपया /पैसा का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कराकर गतिविधि करायें।
12.	गोरैया	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	कैलेण्डर के प्रदर्शन का अभाव।	बच्चे को कैलेण्डर उपलब्ध कराकर समय, दिन, सप्ताह, माह, वर्ष का ज्ञान करावें।
13.	मैना	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	शिक्षक द्वारा पर्याप्त अभ्यास का अभाव।	बच्चे को भूमि स्तर श्यामपट्ट पर लिखने का पर्याप्त अभ्यास करायें व लिखवाएं।
14.	किंग फिशर	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	ठोस वस्तुओं के द्वारा गिनने का पर्याप्त अभ्यास की कमी व वस्तुओं की जोड़ी बनाने के अभ्यास का अभाव।	ठोस वस्तुओं से समूह बनाकर, गिनवायें तथा बार–बार जोड़ने की क्रिया कराकर पहाड़ा बनाना सिखायें।
15.	कबूतर	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	खेल गतिविधि व ठोसवस्तु से अभ्यास का अभाव।	ठोस वस्तुओं के माध्यम से गिनती गिनने का अभ्यास करायें।

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ/नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
16.	नीलकंठ	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	ठोस वस्तुओं में से समूह बनाने की अभ्यास का अभाव बंडल बनाने की अभ्यास का अभाव।	बच्चे को गिनतारा के माध्यम से इकाई, दहाई का ज्ञान करायें तथा ठोस वस्तुओं से समूह बनाकर सम,विषम का ज्ञान करायें।
17.	मोर	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	संबंधित माइल स्टोन की गतिविधि अपूर्ण है।	उपचारात्मक शिक्षक की गतिविधि करायें।

विशेष :

- सीखने–सीखाने में मुख्य कठिनाई के क्षेत्र :–
  1. .....
  2. .....
- उल्लेखित उपलब्धि (नवाचार) के क्षेत्र
  1. .....
  2. .....

प्रधान अध्यापक का
नाम एवं हस्ताक्षर

विश्लेषणकर्ता का हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था/विभाग .....

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

विषय – गणित

कक्षा–1

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन– 1,2,3,4,5)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	1 से 3, 4 से 6, 7 से 9 तक की संख्याओं का गणन अभ्यास।	फिशरकिंग		
2.	संख्या व संख्यांक से मिलान करना।	बगुला		
3.	1 से 9 तक की संख्याओं का उल्टे व सीधे क्रम में बोल पाना।	चमगादड़		
4.	1 से 9 तक की संख्याओं को ठोस वस्तु से मिलान करना।	बगुला		
5.	1 से 9 तक की संख्याओं का पठन व लेखन अभ्यास।	मैना		
6.	डोमीनो कार्ड के माध्यम से 1 से 9 तक की संख्याओं की गण्ना।	फिशरकिंग		
7.	श्रुतिलेखन 1 से 9 तक की संख्याओं का।	मैना		
8.	घटाने की क्रिया के माध्यम से 0 को कुछ नहीं के रूप में जानना।	चील		
9.	जोड़ने का अभ्यास जिनका योगफल 9 तक हो।	तोता		
10.	1 से 9 तक की संख्याओं को स्वतंत्र रूप से पहचानकर उच्चारण करना।	कबूतर		
11.	अमानक इकाई द्वारा लम्बाई का मापन।	उल्लू		
12.	1 से 0 तक की संख्याओं को खेल विधि से अभ्यास करना। (सांप सीढ़ी, पासा, रेलगाड़ी)	बतख		
13.	1 से 9 तक की संख्याओं का अभ्यास (बाहर का खेल) बिल्लस खेल।	कौआ		
14.	9 + 1 = 10 दहाई के रूप में परिचय, बंडल के माध्यम से एवं लेखन अभ्यास।	नीलकंठ		

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

विषय – गणित

कक्षा–1

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन– 6,7,8,9,10)

क्र.	गतिविधि/दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	10 से 19 20 से 29, 30 से 40, 41 से 50 की संख्याओं का बंडल के माध्यम से गिनना।	फिशरकिंग		
2.	10 से 50 तक की संख्याओं का लेखन अभ्यास।	मैना		
3.	10 से 50 तक की संख्याओं का सीधे व उल्टे क्रम में लिखना, पढ़ना।	चमगादड़		
4.	बिना हासिल का जोड़ (योगफल 50 से अधिक न हो)	तोता		
5.	समूह बनाना (बोल भाई कितने)	कौआ		
6.	समूह बनाना (कंकड़, पत्थर की सहायता से)	फिशरकिंग		
7.	श्रुतिलेखन (1 से 50 तक)	मैना		
8.	1 से 50 तक की संख्याओं को घटाना बिना हासिल का	चील		
9.	अमानक इकाई (लाठी, बालिश्त, गिलास, कप आदि) द्वारा लंबाई एवं धारिता मापन अनुमान सहित/अनुमान रहित।	उल्लू		
10.	सप्ताह के दिनों एवं माह का नाम जानना।	गौरैया		
11.	1 से 50 तक की संख्याओं को स्वतंत्र रूप से पहचानना।			
12.	घटते–बढ़ते क्रम में लिखना।	कबूतर		
13.	गिनतारा के माध्यम से इकाई,दहाई की पहचान।	चमगादड़		
14.	बिन्दी व डोमीनो कार्ड के माध्यम से गिनना।	नीलकंठ		
15.	50 तक की संख्याओं का गणन, पठन व लेखन अभ्यास बंडल से	फिशरकिंग		
16.	संख्याओं की तुलना (1 से 50 तक)	मैना		
17.	ज्यामितीय आकृतियाँ वृत्त व त्रिभुज (चूड़ी, पहिया, सिक्का, समोसा आदि)	बगुला		

विषय – गणित

कक्षा–1

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन–11,12,13,14)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	51 से 60, 61 से 70, 71 से 80, 81 से 100 तक की संख्याओं को पढ़ना व लिखना।	मैना		
2.	51 से 100 तक की संख्याओं का आरोही / अवरोही क्रम।	चमगादड़		
3.	दो अंकों तक की संख्याओं को जोड़ना। (बिना हासिल का)	तोता		
4.	दो अंकों तक की संख्याओं का घटाना। (बिना हासिल का)	चील		
5.	2–2, 3–3, 4–4 एवं 5–5 का समूह बनाकर प्रहाड़ा बनाना।	फिशरकिंग		
6.	1 से 99 तक की संख्याओं का स्थानीय मान।	नीलकंठ		
7.	अंकों को शब्दों में व शब्दों को अंकों में लिखना। (1 से 20)	मैना		
8.	घड़ी के माध्यम से समय ज्ञान कराना।	गौरेया		
9.	कक्षागत खेल 1 से 100 तक की संख्याओं का (सांप सीढ़ी)	बतख		
10.	वजन (अनुमान लगाना) हल्का–भारी (अमानक वस्तुओं से)	उल्लू		
11.	ज्यामितीय आकृतियाँ पुस्तक, कमरा, दरवाजा, खिड़की से परिचय	सारस		

विषय – गणित

कक्षा–2

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन–15,16,17,18)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	1 से 100 तक की संख्याओं को सीधा व उल्टा पढ़ना, लिखना व पहचानना।	चमगादड़		
2.	1 से 99 तक की संख्याओं का स्थानीयमान इकाई, दहाई की सहायता से 19,29,39,49,59,69,79,89,99 जानना, पढ़ना व लिखना।	नीलकंठ		
3.	1 से 99 तक की संख्याओं को सुनकर लिखना। 1 से 50 तक की अंकों को शब्दों तथा अंकों में लिखना।	मैना		
4.	1 से 99 तक की संख्याओं का योगफल ज्ञात करना। (बिना हासिल तथा हासिल लेकर)	तोता		
5.	1 से 100 तक की संख्याओं को घटाना बिना हासिल तथा हासिल सहित इकाई,दहाई के माध्यम से।	चील		
6.	1 से 100 तक की संख्याओं को 2–2, 3–3, 4–4, 5–5 ठोस वस्तुओं के माध्यम से समूह बनाना।	फिशरकिंग		
7.	अमानक इकाई से लंबाई, छोटी–बड़ी की तुलना करना।	उल्लू		

विषय – गणित

कक्षा–2

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन–19,20,21,22,23)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	50 से 70 तक की संख्याओं को सम, विषम के रूप पहचानना। 19 से 99 तक की संख्याओं को गिनतारा के माध्यम से स्थानीय मान को समझना।	नीलकंठ		
2.	1 से 60 तक के अंकों को अंकों व शब्दों में लिखना।	मैना		
3.	हासिल वाले जोड़ का अभ्यास तथा इबारती प्रश्नों को हल करना। दिन, माह को जोड़ कर पाना।	तोता		
4.	हासिल वाले घटाने की क्रिया का अभ्यास, दिन,माह को घटा पाना।	चील		
5.	ठोस वस्तुओं बार–बार जोड़ने की क्रिया के माध्यम से 3,4,5,6,7,8 की पहाड़ा का निर्माण तथा जोड़ विधि से 5 तक की पहाड़े को कंठस्थ करना।	फिशरकिंग		
6.	गुणा से परिचय व अभ्यास बार–बार जोड़ने के क्रिया से गुणा का निर्माण सरल गुणा का अभ्यास, गुणा चिन्ह से परिचय।	कठफोड़वा		
7.	बार–बार घटाने से क्रिया से भाग की संक्रिया से परिचय, भाग का चिन्ह व भाग का अभ्यास करना।	बया		
8.	घड़ी के माध्यम से समय का ज्ञान घंटा, मिनट,सेकेण्ड से सामान्य परिचय, सप्ताह, माह के नामों को मौखिक रूप से बोल पाना व लिखना तथा वर्ष,माह , दिन का संबंध कैलेण्डर की सहायता से माह के दिनों की संख्या से परिचय।	गौरेया		
9.	1 से 100 तक की नोटो से परिचय, मौखिक रूप से जोड़ने व घटाने 1 से 20 रुपये तक के सिक्को को पहचान, सरल मौखिक जोड़,घटाना कर पाना।	उड़ती चिड़िया		
10.	सरल प्रश्न निर्माण कर हल कर सकने की क्रिया का विकास एवं दैनिक जीवन में उपयोग करने हेतु इबारती प्रश्न हल कर पाना।	तीतर		

विषय – गणित

कक्षा–2

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन–24,25,26,27)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	भाग की क्रिया का अभ्यास जो केवल एक ही बार में भाग चला जाए।	बया		
2.	2 से 10 तक की पहाड़े का निर्माण तथा पहाड़े को बिना रूके पढ़ पाना तथा सुनना व लिखना।	फिशरकिंग		
3.	पहाड़े की सहायता से सरल गुणा 2 से 10 तक पहाड़े का उपयोग करके गुणा कर पाना।	कठफोड़वा		
4.	1 से 100 तक के नोटो को पहचान कर उपयोग कर पाना तथा सिक्को को पहचान व इबारती प्रश्नों को हल कर पाना।	उड़ती चिड़िया		
5.	ज्यामितीय आकृति – चतुर्भुज, आयात, वर्ग में अंतर कर पाना तथा त्रिभुज , वृत्त को जान पाना व बता पाना।	सारस		
6.	जोड़, घटाना, गुणा, भाग से संबंधित सरल इबारती प्रश्न स्वयं तय कर पान व हल कर पाना।	तीतर		
7.	विभिन्न वजन वाले वस्तुओं को अमानक रूप से वजन कर पाना तौलकर तुलना कम–ज्यादा बता पाना।	उल्लू		
8.	1 से 100 तक की संख्या को अंकों में व शब्दों मे लिख सकना।	मैना		
9.	स्थानीयमान की सहायता से छोटी–बड़ी संख्या को पहचानना।	नीलकंठ		
10.	50 से 100 तक की संख्याओं में छोटा, बड़ा पहचानना घटते–बढ़ते क्रम में जमा पाना, छूटे हुए संख्याओं को पढ़ना, जानना व लिखना।	चमगादड़		

'अवलोकन प्रपत्र'

विषय– अंग्रेजी कक्षा – (1+2)

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	?	
1.	रेडियो	1. कविता को दोहराना। 2. कविता में आये कुछ शब्द जानना।				
2.	हीटर	1. चित्र देखकर शब्दों को पहचानना। 2. शब्दों के प्रथम वर्ण को पहचान कर वर्णों को बोलना।				
3.	कैमरा	1. क्रिया शब्द जैसे – Coming, out, play etc. को समझना।				
4.	कम्प्यूटर	1. संख्याओं को अंग्रेजी में बोलना जैसे– One, two....				
5.	बल्ब	1. खेल के माध्यम से विशेषण शब्दों को पहचानना जैसे– Big, thin, samll. fatt, etc.				
6.	टेलीविजन	1. चित्र में दिए वस्तुओं के अंग्रेजी नाम को जानना।				
7.	मिक्सी	1. Dice game में आए चित्रों/शब्दों को पहचानना। 2. लूडो के चित्र, शब्द से चार्ट में मिलान करना।				
8.	टेलीफोन	1. कार्ड में आए वाक्यों को समझ कर उच्चारण करना। 2. वाक्यों के भावों के अनुरूप अभिनय करना।				
9.	फ्रीज	1. A,B,C कार्ड में आए शब्दों पर रबर/कार्ड को जमाना।				
10.	कूलर	1. सीखे हुए वर्णों को बच्चे लिख पा रहे हैं।				

मॉनीटरिंग (रेकार्डिंग)

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
11.	मोबाईल	1. खेल गतिविधि के माध्यम से yes/ no, colour etc. जानना। 2. Yes/no, what is this?, Which, colour आदि वाक्यों के अनुरूप गतिविधि करना।				
12.	ट्यूबलाईट	1. बच्चे चित्र में रंग भरते समय चित्र का अंग्रेजी नाम जानते हैं। 2. बच्चे रंगों के अंग्रेजी नाम जानते हैं।				
13.	टेबल लैम्प	1. बच्चों स्वयं का मूल्यांकन कर पाना।				
14.	माइक	1. वर्णों से संबंधित मूल्यांकन करना। 2. शब्दों से संबंधित मूल्यांकन करना।				
15.	एंटीना	1. अवश्यकतानुसार शिक्षक द्वारा उपयुक्त गतिविधि का चयन कर पाना। 2. बच्चों की कमजोरी समझकर उसका निराकरण कर पाना।				

प्रधान पाठक का हस्ताक्षर
दिनांक .....

मॉनीटरिंगकर्ता का हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था / विभाग.....

'विश्लेषण प्रपत्र'

विषय– अंग्रेजी

कक्षा – (1+2)

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ/नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखे यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
1.	रेडियो	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	कविता के ध्यानपूर्वक न सुनना।	शिक्षक बच्चों को पुनः सुनना,सुनाना की गतिविधि।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	शब्दों पर जोर नहीं देना।	उन शब्दों के उनकी उपयोगिता के साथ जोड़कर उपयोग करें।
2.	हीटर	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	चित्र एवं शब्द का संबंध स्थापित न कर पाना।	चित्र को देखकर शब्दों को छटवाना।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	वर्ण की पहचान न होना।	वर्णो का पृथक से पहचान कराया जावे। माइक से पहचान कराया जावें।
3.	कैमरा	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	क्रिया के साथ शब्दों का प्रयोग न होना।	क्रिया शब्द के साथ विभिन्न तरह गतिविधि भी कराया जाएं।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	शब्दों का अर्थ स्पष्ट न हो पाना।	शब्दों का अर्थ प्रयोगकर स्पष्ट करें। निर्देश के अनुरूप गतिविधि कराएं।
4.	कम्प्यूटर	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	संख्याओं को समझ स्पष्ट न होना।	संख्याओं का ठोस वस्तुओं 1,2,3 से अवधारणा के साथ स्पष्ट कर समझना।
5.	बल्ब	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	निर्देश स्पष्ट नहीं होना।	प्रत्यक्ष अवलोकन कर तुलना करावें। तथा स्पष्ट निर्देश देकर खेल करावें।

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ/नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखे यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
6.	टेली विजन	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	सही उच्चारण के साथ नहीं बोलना।	सही उच्चारण बोलने का अभ्यास एवं उसके उपयोगिता के संबंध में जानकारी देना।
7.	मिक्सी	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	चित्र एवं शब्दों को पहचान न पाना।	माइल स्टोन में आए शब्दों एवं चित्रों को पहचान कराना।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	शब्द एवं चित्र के पहचान न पाना।	प्रत्यक्ष रूप से शब्द एवं चित्र को बार–बार पहचान करायें।
8.	टेलीफोन	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	शब्दों का उचित अभ्यास न होना।	शब्दों का अभ्यास कराया जावे।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	शब्दों का अर्थ स्पष्ट न होना।	शब्दों के अनुरूप गतिविधि कराना।
9.	फ्रीज	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	अभ्यास न होने के कारण शब्दों/कार्डों को न पहचानना।	विभिन्न स्थानों लिखे हुए वर्णो को पहचानना।
10.	मोबाईल	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	सही निर्देश का अभाव।	गतिविधि के समय आवश्यक निर्देश दिया जाना।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	वाक्यों के अनुरूप गतिविधि नहीं कर पाना।	दोहरायें एवं समझ स्पष्ट करें।
11.	कूलर	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	सही दिशा में लिखने के अभ्यास की कमी।	लिखने का अभ्यास करायें

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ/नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
12.	ट्यूब लाईट	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	रंग भरते समय बच्चे अंग्रेजी नाम नहीं जानते हैं।	रंग भरते हुए वस्तुओं के नाम बोलते जाएं।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	रंगों के नामों का ज्ञान न होना।	रंगों को भरते हुए रंगों का नाम बोलते जाएं।
13.	टेबल लैम्प	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	बच्चे स्वयं मूल्यांकन नहीं कर रहे हैं।	उपचारात्मक गतिविधि करायें।
14.	माइक	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	वर्णों को पहचान नहीं कर पाना।	वर्णों का उपयोग शब्दों के साथ किया जावे।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	शब्दों का पहचान स्पष्ट न होना।	शब्दों का अभ्यास करावें।
15.	एंटीना	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	बच्चे अपनी कमी को समझ न पाएं।	बच्चों के योग्यता के अनुरूप सी.ए.सी.,बी.ए.सी. द्वारा उचित निदान करना।

विशेष :

- सीखने–सिखाने में मुख्य कठिनाई के क्षेत्र :–
  1. .....
  2. .....
- उल्लेखित उपलब्धि (नवाचार) के क्षेत्र
  1. .....
  2. .....

प्रधान अध्यापक का
नाम एवं हस्ताक्षर

विश्लेषणकर्ता का हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था/विभाग .....

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

विषय – अंग्रेजी

कक्षा–1

मूल्यांकन – **प्रथम तिमाही** (माइल स्टोन–0,1,2,3,4)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	बच्चे कुछ कविता दोहरा सकते हैं।	रेडियो		
2.	माइल स्टोन में आए हुए (Verb) को समझ कर गतिविधि करना।	कैमरा		
3.	दी गई अंकों को अंग्रेजी शब्द के माध्यम से पहचान कर बोल पाना। अंग्रेजी अंकों को सुनकर दोहराना।	कम्प्यूटर		
4.	परिवेशीय वस्तुओं का नाम अंग्रेजी में जानना। अंग्रेजी के 10–14 शब्दों को पहचानना।	टेलीविजन		
5.	सीखे हुए अंग्रेजी शब्दों का सही चित्रों में मिलान कर पाना।	मिक्सी		
6.	सरल एवं छोटे निर्देशों को सुनकर उसका पालन करना। Please, Thank you को समझना व उपयोग करना। छोटे प्रश्न जैसे What, Who का उत्तर दे पाना। कुछ अंग्रेजी वार्तालाप शब्दों का उपयोग कर पाना।	टेलीफोन		
7.	लेखन कला का विकास चित्र में रंग भरना।	कूलर		

विषय – अंग्रेजी

कक्षा–1

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन–5,6,7,8,9)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	कविता को हाव–भाव सहित दोहराना।	रेडियो		
2.	(Verb) को समझकर गतिविधि कर पाना।	कैमरा		
3.	1–10 अंकों को अंग्रेजी में बोलना। 1 –10 अंकों को पहचान कर बोलना।	कम्प्यूटर		
4.	परिवेशीय वस्तुओं का नाम अंग्रेजी में जानना। 15–45 शब्दों को पहचान पाना। 40–45 शब्दों को चित्र शब्द सूची द्वारा पहचानना। सीखे हुए सरल शब्दो को स्वतंत्र परिस्थिति में पहचान पाना।	टेलीविजन		
5.	पहचाने हुए अंग्रेजी शब्दों का सही चित्रों से मिलान कर पाना। सही और गलत शब्दों पर चिन्ह लगा पाना।	मिक्सी		
6.	What, this, my, your, what who आदि प्रश्नों के उत्तर दे पाना। सीखे हुए छोटे वाक्यों को बोलपाना। परिचित परिस्थिति में दिए अंग्रेजी के आदेशों को समझना।	टेलीफोन		
7.	सीखे हुए कम से कम 8–9 वर्णों को लिख पाना। लेखन कला का विकास।	कूलर		
8.	A से J तक अक्षर को छोटे–बड़े रूप में पहचान पाना।	माइक		

विषय – अंग्रेजी

कक्षा–1

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन–10,11,12,13)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	कविता को हाव–भाव सहित दोहरा पा रहा है?	रेडियो		
2.	Thin, fat, hard, soft, come, here, go, there को समझ रहा है। (Adjective, Verb से परिचित होना।)	कैमरा		
3.	1 से 10 अंकों को अंग्रेजी में बोल सकता है। जैसे– One, Two.....	कम्प्यूटर		
4.	परिवेशीय वस्तुओं का नाम अंग्रेजी में जान पा रहा है। शब्द भण्डार में 55–110 शब्दों को जान पा रहा है?	टेलीविजन		
5.	शब्दों एवं चित्रों का मिलान करना। सही एवं गलत शब्दों के साथ मिलानकर चिन्ह लगा पा रहा है?	मिक्सी		
6.	who, what, how, many के द्वारा प्रश्नों के उत्तर दे पाता है।	टेलीफोन		
7.	बिन्दुओं को मिलाकर लेखन अभ्यास कर पा रहा है? 26 वर्णों को लिख पा रहा है?	कूलर		
8.	K से Z को छोटे एवं बड़े रूप में पहचान पा रहा है।	माइक		

विषय – अंग्रेजी

कक्षा–2

मूल्यांकन – प्रथम तिमाही (माइल स्टोन–14,15,16,17)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	अपरिचित कविता को हाव–भाव सहित दोहराना। कविता के माध्यम से कुछ वस्तु को जानना।	रेडियो		
2.	Verb- Pickup, Bath, listen, say, come, like, dress, write, learn, dance, draw, का प्रयोग करना।	कैमरा		
3.	Big, Small, fat, thin, hot, cold, tall, short का प्रयोग कर पाना।	बल्ब		
4.	May, who, what, may, can, how, where का प्रयोग कर पूछ पाना। He, she, his, her, it, my का प्रयोग कर पाना। Prepostion- in,out, on,under, near, for,to, from का प्रयोग कर पाना।	टेलीविजन		
5.	अंग्रेजी के अक्षर A से O तक छोटे–बड़े रूप को पहचानना व (लिखना) मूल्यांकन।	माइक		

विषय – अंग्रेजी

कक्षा–2

मूल्यांकन – द्वितीय तिमाही (माइल स्टोन–18,19,20,21)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	अपरिचित कविता को हाव–भाव सहित दोहराना।	रेडियो		
2.	Verb- smile, cry, sleep, pull, push, throw, love, cut, suim, sing sleep का प्रयोग कर पाना।	कैमरा		
3.	Adjective, some, different, new, old, wet, dry का प्रयोग कर पाना।	बल्ब		
4.	Whose, how, many, which, when का प्रयोग कर पाना। We, they, our, your का प्रयोग कर पाना। Preposition - After, before, top, bottom का प्रयोग कर पाना।	टेलीफोन		
5.	अंग्रेजी में सीखे शब्दों को लिख पाना।	कूलर		
6.	अंग्रेजी के A से Z को छोटे बड़े रूप में पहचानना व लिखना।	माइक		

विषय – अंग्रेजी

कक्षा–2

मूल्यांकन – तृतीय तिमाही (माइल स्टोन–22,23,24,25)

क्र.	गतिविधि / दक्षता	लोगो	हाँ	नहीं
1.	अपरिचित कविता को हाव–भाव के साथ दोहराना।	रेडियो		
2.	Verb- walk, read, cook, show, want, think, dry का प्रयोग करना।	कैमरा		
3.	Adjective का प्रयोग करना।	बल्ब		
4.	What, how, whose, howmany, want का प्रयोग कर पाना। अंग्रेजी मे सीखे शब्दों का प्रयोग वाक्यों में कर पाना व लिखना। Pronoun- she, her, it, my, we, they,our, your का प्रयोग कर पाना। Singular, plural का प्रयोग कर पाना। चित्रों पर पांच पंक्ति अंग्रेजी में बोलपाना।	टेलीफोन		

'अवलोकन प्रपत्र'

विषय– पर्यावरण

कक्षा – (1+2)

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	?	
1.	आम	1. बच्चे सर्वेक्षण हेतु परिवेश में ग्रुप अनुसार स्वयं जाकर जानकारी एकत्र करते हैं। 2. सर्वेक्षण कार्डों को सर्वेक्षण पश्चात् सुरक्षित संकलित कर रखे हैं।				
2.	नारियल	1. कविता/कहानी में बच्चे मुखौटा का उपयोग करते हैं। 2. बच्चे कविता/कहानी को सुनकर प्रश्नों का उत्तर देते हैं।				
3.	केला	1. बच्चे चित्रों को देखकर चर्चा में भाग लेते हैं। 2. बच्चे प्रश्नों का उत्तर दे पा रहे हैं। 3. उत्तर न देने की स्थिति में शिक्षक उनकी मदद करते हैं।				
4.	सेब	1. खेल गतिविधि हेतु उचित स्थान (मैदान) की व्यवस्था है। 2. सभी बच्चों को खेलने का अवसर मिलता है। 3. क्या शिक्षक कार्ड के अतिरिक्त अन्य खेल गतिविधि भी कराता है।				
5.	अनार	1. क्या बच्चे संकलित वस्तुओं का वर्गीकरण करते हैं। 2. बच्चों में वस्तुओं की विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करने की समझ है।				

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

क्र.	लोगो	विवरण	स्थिति			विशेष
			हाँ	नहीं	प्र.चिन्ह	
6.	अनानास	1. बच्चे प्राकृतिक रंगों के अनुरूप चित्रों में रंग भर पा रहे हैं। 2. बच्चों में कुछ हस्तकलाओं का विकास हुआ है।				
7.	अंगूर	1. बच्चे दो वस्तुओं में तुलना कर पाता है।				
8.	सीताफल	1. क्या बच्चों में अभिनय करने की क्षमता का विकास हुआ है। 2. बच्चे कुछ वस्तुओं का वर्णन कर पा रहे हैं।				
9.	पपीता	1. क्या बच्चे प्रायोगिक कार्य हेतु उत्साह प्रदर्शित करते हैं। 2. क्या दीर्घकालिक प्रायोगिक कार्य किया जा रहा है।				
10.	इमली	1. बच्चा मूल्यांकन के समय भयमुक्त व तनाव रहित महसूस करता है। 2. बच्चों को मूल्यांकन पत्रक के चिन्हों की जानकारी है।				

टीप : पर्यावरण का अवलोकन पत्रक माइल स्टोनवार पृथक–पृथक बनेगा।

प्रधान पाठक का हस्ताक्षर
दिनांक .....

मॉनीटरिंगकर्ता का हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था / विभाग.....

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

'विश्लेषण प्रपत्र'

विषय– पर्यावरण कक्षा – (1+2)

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ/नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
1.	आम	01	हाँ	.....	छोटे बच्चों की भी सहभागी बनावें।
			नहीं	छोटे बच्चे सहभागी नहीं बन पा रहे हैं।	.....
		02	हाँ	.....	प्रपत्रों को फाइलों में सुरक्षित रखें।
			नहीं	इधर–उधर बिखरा पड़ा है।	
2.	नारियल	01	हाँ	.....	मुखौटा बनाकर रखें व उपयोग करें।
			नहीं	मुखौटा उपलब्ध नहीं है।	
		02	हाँ	.....	
			नहीं	कुछ बच्चे उत्तर देने में झिझक रहे हैं।	उन बच्चोंको बार–बार अभ्यास कराएं
3.	केला	01	हाँ	.....	
			नहीं	कुछ बच्चे ध्यान से सुनते हैं, चुप रहते हैं।	ऐसे छात्रों को सीधे नाम लेकर प्रश्न पूछें।
		02	हाँ	.....	
			नहीं	कुछ बच्चे कठिन प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते।	अन्य बच्चों से उत्तर लेकर दोहराने कहें बार–बार अभ्यास कराएं।
		03	हाँ	बहुत अच्छा आपका प्रयास सराहनीय है।	.....
			नहीं	.....	.....
4.	सेब	01	हाँ	.....	बाहर बरामदे में भी आप ग्रुप सहित कर सकते हैं।
			नहीं	कक्षा के अंदर बच्चों की अधिकता है।	.....
		02	हाँ	.....	
			नहीं	कुछ बच्चे खेलनें में झिझकते हैं।	ऐसे बच्चों को स्वयं प्रेरित करें व खेलने दें।
		03	हाँ	.....	.....
			नहीं	अन्य खेल नहीं बना सकता जैसे	अन्य प्रकार के एक दूसरे अवलोकन

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ/नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
5.	अनार	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	वस्तु इधर–उधर रखे पड़े हैं।	संकलित वस्तुओं को वर्गीकृत करें।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	छोटे–छोटे बच्चे गुण धर्म को नहीं समझ पा रहें है।	अलग–अलग विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण करें।
6.	अनानास	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	रंग में अंतर नहीं कर पा रहे हैं।	यदि संभव हो तो मूल वस्तुओं/चित्रों का प्रदर्शन करें। रंग भरवायें।
		02	हाँ	बहुत अच्छा कुछ अन्य कलाओं को भी सिखायें।	.....
			नहीं	.....	.....
7.	अंगूर	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	कुछ बच्चे छोटा–बड़ा, मोटा–पतला को जानते हैं पर रंग में अंतर नहीं कर पाते।	पर्याप्त अभ्यास की आवश्यकता है।
8.	सीताफल	01	हाँ	.....	.....
			नहीं	कुछ बच्चे कठिन अभिनय को नहीं कर पाते।	पर्याप्त समय देवें।
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	वर्णन करने की क्षमता नहीं आई है।	शिक्षक स्वयं वर्णन करेंव उन्हें दुहराने कहें
9.	पपीता	01	हाँ	बहुत अच्छा उत्साह बनाए रखें।	.....
			नहीं	.....	.....
		02	हाँ	.....	.....
			नहीं	सामान उपलब्ध नहीं है।	सृजन पढ़े व सुझाये गए बिन्दु अनुसार सामान उपलब्ध करें।
		03	हाँ	.....	.....
			नहीं	दीवाल पर जगह नहीं हैं।	जॉली का उपयोग किया जा सकता है।

क्र.	लोगो	उद्देश्य		निष्कर्ष	उपचार
			हाँ/नहीं	यदि हाँ तो उपलब्धि लिखें यदि नहीं तो कारण स्पष्ट करें।	
10.	इमली	01	हाँ	.....	
			नहीं	बच्चे जल्दबाजी में गलत कर रहे हैं।	पर्याप्त अवसर दें।
		02	हाँ	चिन्हों के अलावा दिनों को भी बताने का प्रयास करें।	
			नहीं	.....	

टीप : पर्यावरण का विश्लेषण पत्रक माइल स्टोनवार पृथक–पृथक बनेगा।

विशेष :

- सीखने–सीखाने में मुख्य कठिनाई के क्षेत्र :–
  1. .....
  2. .....
- उल्लेखित उपलब्धि (नवाचार) के क्षेत्र
  1. .....
  2. .....

प्रधान अध्यापक का
नाम एवं हस्ताक्षर

विश्लेषणकर्ता का हस्ताक्षर
नाम .....
पद .....
संस्था/विभाग .....

सामान्य प्रक्रिया को चेकलिस्ट

अवलोकनकर्ता का नाम ..... पद ..... दिनांक .....
शाला का नाम ..... संकुल ..... वि.खं. .....
कक्षा 1+2 की दर्ज संख्या बालक .....बालिका ..... कुल .....
..... उप. संख्या .....

क्र.	प्रक्रियाएँ	हाँ/नहीं
1.	कीट/कार्ड उपलब्ध हैं।	
2.	सभी कार्ड ट्रे में रखे हुए हैं।	
3.	रैक की व्यवस्था है।	
4.	तार की जाली लगी है।	
5.	चटाई/दरी की व्यवस्था है।	
6.	बच्चे समूह में बैठते हैं। 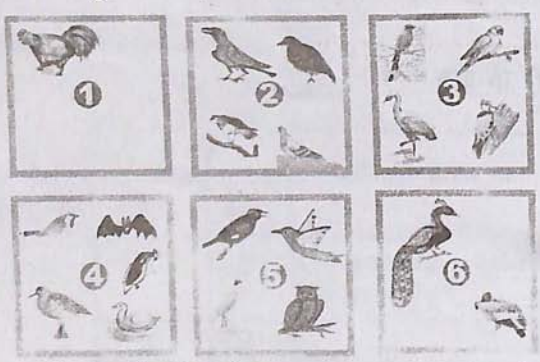	
7.	बच्चे की ऊँचाई वाले श्यामपट्ट का उपयोग हो रहा है।	
8.	ट्रे में कार्ड लोगोवार रखा है अथवा नहीं।	
9.	लेडर/समूह थाली/मूल्यांकन पत्रक बच्चों की पहुँच में है।	
10.	बच्चे लेडर देखकर कार्ड निकालते व रखते है।	
11.	बच्चे अपने ही समूह में बैठकर गतिविधि करते है।	
11.	मूल्यांकन पत्रक भरा जा रहा है।	
12.	बच्चे कार्ड के अनुरूप गतिविधि कर रहे हैं।	
13.	कार्ड में दिए गए निर्देशों को पढ़कर गतिविधि कर पा रहे हैं।	
14.	बच्चों द्वारा निर्मित सामग्री मिट्टी, कागज, चित्र, मॉडल प्रदर्शित की जा रही है।	

क्र.	प्रक्रियाएँ	हाँ/नहीं
15.	तार से निकाली गई सामग्री का उपयोग हो पा रहा है।	
16.	वाल पेपर का प्रकाशन हो रहा है।	
17.	शिक्षक अवधारणा एवं मूल्यांकन समूह के साथ–साथ अन्य सभी समूहों का मार्गदर्शन करते है।	
18.	माताओं द्वारा कहानी सुनाना व उसके द्वारा सुनाई गई कहानी को कक्ष में लगाना होता है।	
19.	गाँव के कामगार शाला में आ कर अपने व्यवसाय की जानकारी देते हैं।	
20.	SMC, PTA, MTA, VEC की बैठकों में MGML पर चर्चा होती है।	
21.	शिक्षक द्वारा कोई नवाचार किया गया है।	
22.	समुदाय की सोच सकारात्मक है।	
23.	शिक्षक व बच्चों की उपस्थिति नियमित है।	

टीप :

संकुल स्तरीय रिपोर्टिंग फार्मेट

1. एम.जी.एम.एल. संचालित शालाओं की संख्या .....
2. एम.जी.एम.एल. कक्ष ....
3. एम.जी.एम.एल. शाला के कक्षा 1+2 की दर्ज संख्या बालक.....बालिका.....कुल.....
4. एम.जी.एम.एल. में प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या .....
5. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ बच्चों द्वारा निर्मित चित्र, चार्ट, कविता, कहानी आदि कक्ष में लगाए गए हैं।
6. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ, माताएं शाला में आकर कहानी सुनाती हैं .....
7. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ, गांव के कामगार शाला में आकर अपने व्यवसाय की जानकारी देते हैं। .....
8. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ रैक व ट्रे की व्यवस्था है .....
9. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ मूल्यांकन चार्ट/लेडर बच्चों की पहुँच में हैं। .....
10. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ बच्चे ही कार्डों को उठाकर गतिविधि करते हैं एवं गतिविधि पश्चात् कार्डों को वापस ट्रे में रखते हैं। .....
11. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ जनभागीदारी से सहयोग प्राप्त हुआ है .....
12. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ एम.जी.एम.एल. की गतिविधियाँ अच्छी तरह चल रही हैं ...

अ. अच्छी चलने का कारण	ब. अच्छी चलने वाले शालाओं का नाम
(1)	(1) .....
(2)	(2) .....
(3)	(3) .....

13. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ एम.जी.एम.एल. की गतिविधियाँ अच्छी तरह नहीं चल रही है ....

अ. अच्छी न चलने का कारण	ब. अच्छी न चलने वाले शालाओं का नाम
(1) शिक्षक अनुमानित/ वास्तविक मूल्यांकन नहीं कर पा रहे हैं।	(1) .....
(2) शिक्षक को कार्डों की गतिविधियों की जानकारी नहीं है।	(2) .....
(3) शिक्षक समूह का निर्माण सही प्रकार से नहीं कर पा रहे हैं।	(3) .....
(4) शिक्षक सभी समूहों पर सही प्रकार से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं।	(4) .....
(5) कार्डों की गतिविधियों में लगने वाले समय के प्रति शिक्षक का उदासीन होना।	

(6) लेडर और समूह थाली के अनुरूप कक्षा का संचालन नहीं हो पा रहा है।

(7) अन्य .....

.....

14. ऐसी शालाओं की संख्या जो कमजोर/समस्या ग्रस्त हैं – .....

अ. कमजोर समस्याग्रस्त शाला होने के कारण :–

1. शिक्षक एम.जी.एम.एल. प्रशिक्षित नहीं है।
2. प्रशिक्षित शिक्षक द्वारा एम.जी.एम.एल. कक्षा को संचालित नहीं करना।
3. शाला में एम.जी.एम.एल. हेतु कक्षा का न होना।
4. अधिक दर्ज संख्या वाली शाला में शिक्षक एवं किट का अभाव है।

ब. कमजोर/समस्याग्रस्त शालाओं का नाम :–

1. .....
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....

15. अच्छा न चलने वाली/कमजोर/समस्याग्रस्त शालाओं के लिए किया गया प्रयास .....

.....

16. समस्या को दूर करने के लिए अपेक्षाएँ :– .....

.....

.....

17. मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक से प्राप्त कमियों की सूची .....

.....

हस्ताक्षर
सी.आर.सी.

हस्ताक्षर
सी.ए.सी.

विकास खंड स्तरीय रिपोर्टिंग फार्मेट

1. एम.जी.एम.एल. संचालित शालाओं की संख्या .....
2. एम.जी.एम.एल. कक्ष ....
3. एम.जी.एम.एल. शाला के कक्षा 1+2 की दर्ज संख्या बालक.....बालिका.....कुल.....
4. एम.जी.एम.एल. में प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या .....
5. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ बच्चों द्वारा निर्मित चित्र, चार्ट, कविता, कहानी आदि कक्ष में लगाए गए हैं।
6. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ, माताएं शाला में आकर कहानी सुनाती हैं .....
7. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ, गांव के कामगार शाला में आकर अपने व्यवसाय की जानकारी देते हैं। .....
8. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ रैक व ट्रे की व्यवस्था है .....
9. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ मूल्यांकन चार्ट/लेडर बच्चों की पहुँच में हैं। .....
10. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ बच्चे ही कार्डों को उठाकर गतिविधि करते हैं एवं गतिविधि पश्चात् कार्डों को वापस ट्रे में रखते हैं। .....
11. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ जनभागीदारी से सहयोग प्राप्त हुआ है .....
12. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ एम.जी.एम.एल. की गतिविधियाँ अच्छी तरह चल रही है ...

अ. अच्छी चलने का कारण	संकुल का नाम	शाला की संख्या
(1)		
(2)		
(3)		

13. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ एम.जी.एम.एल. की गतिविधियाँ अच्छी नहीं चल रही है ....

अ. अच्छी न चलने का कारण

(1) शिक्षक अनुमानित/ वास्तविक मूल्यांकन नहीं कर पा रहे हैं।
(2) शिक्षक को कार्डों की गतिविधियों की जानकारी नहीं है।
(3) शिक्षक समूह का निर्माण सही प्रकार से नहीं कर पा रहे हैं।
(4) शिक्षक सभी समूहों पर सही प्रकार से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं।
(5) कार्डों की गतिविधियों में लगने वाले समय के प्रति शिक्षक का उदासीन होना।

संकुल का नाम	शाला की संख्या

(6) लेडर और समूह थाली के अनुरूप कक्षा का संचालन नहीं हो पा रहा है।

(7) अन्य .....

.....

14. ऐसी शालाओं की संख्या जो कमजोर/समस्या ग्रस्त है – .....

अ. कमजोर समस्याग्रस्त शाला होने के कारण :–

1. शिक्षक एम.जी.एम.एल. प्रशिक्षित नहीं है।
2. प्रशिक्षित शिक्षक द्वारा एम.जी.एम. एल. कक्षा को संचालित नहीं करना।
3. शाला में एम.जी.एम.एल. हेतु कक्षा का न होना।
4. अधिक दर्ज संख्या वाली शाला में शिक्षक एवं किट का अभाव है।

संकुल का नाम	शाला की संख्या

15. अच्छा न चलने वाले/कमजोर/समस्याग्रस्त शालाओं के लिए किया गया प्रयास .....

.....

16. समस्या को दूर करने के लिए अपेक्षाएँ :– .....

.....

.....

17. मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक से प्राप्त कमियों की सूची .....

.....

टीपः उपरोक्त सामान्य प्रक्रिया वाले चेकलिस्ट का प्रयोग सभी स्तर के मॉनीटर करेंगे।

हस्ताक्षर
बी.आर.सी.सी.

हस्ताक्षर
विकास खंड शिक्षा अधिकारी

जिलास्तरीय रिपोर्टिंग फार्मेट

1. एम.जी.एम.एल. संचालित शालाओं की संख्या .....
2. एम.जी.एम.एल. कक्ष ....
3. एम.जी.एम.एल. शाला में कक्षा 1+2 की दर्ज संख्या बालक.....बालिका.....कुल.....
4. एम.जी.एम.एल. में प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या .....
5. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ बच्चों द्वारा निर्मित चित्र, चार्ट, कविता, कहानी आदि कक्ष में लगाए गए हैं।
6. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ, माताएं शाला में आकर कहानी सुनाती हैं .....
7. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ, गांव के कामगार शाला में आकर अपने व्यवसाय की जानकारी देते हैं। .....
8. ऐसे शालाओं की संख्या जहाँ रैक व ट्रे की व्यवस्था है .....
9. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ मूल्यांकन चार्ट/लेडर बच्चों की पहुँच में हैं। .....
10. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ बच्चे ही कार्डों को उठाकर गतिविधि करते हैं एवं गतिविधि पश्चात् कार्डों को वापस ट्रे में रखते हैं। .....
11. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ जनभागीदारी से सहयोग प्राप्त हुआ है .....
12. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ एम.जी.एम.एल. की गतिविधियाँ अच्छी तरह चल रही है ...

अ. अच्छी चलने का कारण	वि.ख. का नाम	संकुल संख्या	शाला संख्या
(1)			
(2)			
(3)			

13. ऐसी शालाओं की संख्या जहाँ एम.जी.एम.एल. की गतिविधियाँ अच्छी नहीं चल रही है ....

अ. अच्छी न चलने का कारण

(1) शिक्षक अनुमानित/ वास्तविक मूल्यांकन नहीं कर पा रहे हैं।

(2) शिक्षक को कार्डों की गतिविधियों की जानकारी नहीं है।

(3) शिक्षक समूह का निर्माण सही प्रकार से नहीं कर पा रहे हैं।

(4) शिक्षक सभी समूहों पर सही प्रकार से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं।

(5) कार्डों की गतिविधियों में लगने वाले समय के प्रति शिक्षक का उदासीन होना।

वि.ख. का नाम	संकुल संख्या	शाला संख्या

(6) लेडर और समूह थाली के अनुरूप कक्षा का संचालन नहीं हो पा रहा है।

(7) अन्य .....

.....

14. ऐसी शालाओं की संख्या जो कमजोर/समस्या ग्रस्त हैं – .....

अ. कमजोर समस्याग्रस्त शाला होने के कारण :–

1. शिक्षक एम.जी.एम.एल. प्रशिक्षित नहीं है।
2. प्रशिक्षित शिक्षक द्वारा एम.जी.एम.एल. कक्षा को संचालित नहीं करना।
3. शाला में एम.जी.एम.एल. हेतु कक्षा का न होना।
4. अधिक दर्ज संख्या वाली शाला में शिक्षक एवं किट का अभाव है।

वि.ख. का नाम	संकुल संख्या	शाला संख्या

15. अच्छा न चलने वाले/कमजोर/समस्याग्रस्त शालाओं के लिए किया गया प्रयास .....

.....

16. समस्या को दूर करने के लिए अपेक्षाएँ :– .....

.....

.....

17. मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक से प्राप्त कमियों की सूची .....

.....

टीपः उपरोक्त सामान्य प्रक्रिया वाले चेकलिस्ट का प्रयोग सभी स्तर की मॉनीटर करेंगे।

हस्ताक्षर
डी.पी.सी.

हस्ताक्षर
प्राचार्य डाइट

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक (शाला स्तर)

शाला का नाम .....संकुल केन्द्र ..... विकास खंड..... विषय ..... दर्ज संख्या ..... उपस्थिति.....

क्र.	नाम	सीखने की गति	दक्षता लोगो	1		2		3		4		5		6		7		8		9		10		11		12		13		14		15		16		17		18		19
				हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	
		★																																				
		★																																				
		✓																																				
		✓																																				
		○																																				
		○																																				
	कुलयोग																																					

मूल्यांकनकर्ता का टिप्पणी: शाला की उपलब्धि .....

.....

सुधार हेतु सुझाव .....

.....

मूल्यांकनकर्ता का हस्ताक्षर

नाम .....

पद .....

संस्था/विभाग .....

संस्था प्रमुख का हस्ताक्षर

दिनांक .....

टीप : मूल्यांकनकर्ता विशेष रूप से ध्यान देंगे कि सीखने की गति 0 वाले बच्चों का मूल्यांकन उसके द्वारा अर्जित माइल स्टोन की दक्षताओं से ही करेंगे।

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक (संकुल स्तर)

संकुल केन्द्र ..... विकास खंड..... विषय ..... दर्ज संख्या ..... उपस्थिति.....

क्र.	शाला का नाम	दक्षता लोगो	1		2		3		4		5		6		7		8		9		10		11		12		13		14		15		16		17		18		19
			हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	
	कुलयोग																																				

मूल्यांकनकर्ता का टिप्पणीः संकुल की उपलब्धि .....

.....

संकुल ऐसी कमियाँ जिससे संकुल स्तर दूर की जा सकती है। .....

संकुल की ऐसी कमियाँ जिसे दूर करने के लिए उच्च कार्यालय के मदद की आवश्यकता है।

हस्ताक्षर
विश्लेषणकर्ता

मॉनीटरिंग (चेकलिस्ट)

मूल्यांकन विश्लेषण पत्रक (विकास खंड स्तर)

विकास खंड ..... जिला..... विषय ..... दर्ज संख्या ..... उपस्थिति.....

क्र.	शाला का नाम	दक्षता	1		2		3		4		5		6		7		8		9		10		11		12		13		14		15		16		17		18		19
		लोगो																																				
			हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही	हाँ	नही		
	कुलयोग																																				

मूल्यांकनकर्ता का टिप्पणी: विकास खंड की उपलब्धि .....

.....

विकास खंड ऐसी कमियाँ जिससे विकास खंड स्तर दूर की जा सकती है। .....

विकास खंड की ऐसी कमियाँ जिसे दूर करने के लिए उच्च कार्यालय के मदद की आवश्यकता है।

टीप : विकास खंड की ऐसी कमियाँ जिसे विकास खंड स्तर पर हल नहीं की जा सकती उसे राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, रायपुर हेतु सूचीबद्ध करके भेजें।

हस्ताक्षर
विश्लेषणकर्ता

unicef